तापमान

अधिकतम-45^{0}C

न्यूनतम-34^{0}C

प्रयाग दर्पण

प्रयागराज से प्रकाशित व सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में प्रसारित

लोक कलाकारों का उत्पीड़न एवं शोषण बर्दाश्त नहीं: जयवीर 3

हरदोई की सांडी दहर झील की वनस्पतियों का होगा सर्वे, टीम एक साल तक करेगी पड़ताल 4

वर्ष : 10 अंक : 74 प्रयागराज, शुक्रवार 14 जून 2024 www.prayagdarpan.live हिन्दी दैनिक पृष्ट : 4 मूल्य: 3 रूपये

आतंकवादियों ने पिछले चार दिनों में रियासी, कठुआ और डोडा जिलों में चार स्थानों पर हमले किए

जम्मू में आतंकी हमले को लेकर एक्शन में आए पीएम मोदी, दिया आदेश

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की। जम्मू-कश्मीर क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों में कई आतंकी हमले हुए हैं। आतंकवादियों ने पिछले चार दिनों में रियासी, कठुआ और डोडा जिलों में चार स्थानों पर हमले किए हैं, जिसमें नौ तीर्थयात्रियों और एक सीआरपीएफ जवान की मौत हो गई और सात सुरक्षाकर्मी और कई अन्य घायल हो गए। गुरुवार की बैठक के दौरान प्रधानमंत्री को केंद्र शासित प्रदेश में सुरक्षा संबंधी स्थिति की पूरी जानकारी दी गई. उन्हें आतंकवाद विरोधी प्रयासों से भी अवगत कराया गया। बैठक के दौरान, मोदी ने वरिष्ठ अधिकारियों से भारत की आतंकवाद-विरोधी क्षमताओं का पूरा स्पेक्ट्रम तैनात करने का आग्रह किया। उन्होंने सुरक्षा बलों की तैनाती और आतंकवाद विरोधी अभियानों के बारे में गृह मंत्री अमित शाह से भी बात की।रविवार को, आतंकवादियों ने रियासी में तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस पर हमला किया, जिससे वह सड़क से उतर गई और गहरी खाई में गिर गई, जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई और 41 घायल हो गए। दो दिन बाद, आतंकवादियों ने डोडा में एक संयुक्त जांच चौकी पर हमला किया, जिसमें छह सुरक्षाकर्मी घायल हो गए।उसी रात, कठुआ जिले में एक अन्य मुठभेड़ में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का एक जवान और एक आतंकवादी मारा गया, जो हीरानगर के सईदा सुखल गांव में एक घर पर आतंकवादियों के हमले के बाद शुरू हुआ था।जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के कोटा टॉप इलाके में बुधवार शाम को आतंकवादियों के साथ ताजा मुठभेड़ में एक पुलिसकर्मी घायल हो गया।जम्मू-कश्मीर पुलिस ने कहा है कि इस हमले के पीछे आतंकी समूह लश्कर-ए-तैयबा का हाथ माना जा रहा है. इसने डोडा जिले में दो हमलों में शामिल चार आतंकवादियों के स्केच जारी किए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर पुलिस ने कहा है कि रियासी में हुए हमले के पीछे आतंकी समूह लश्कर-ए-तैयबा का हाथ माना जा रहा है। हमले की जांच के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 11 टीमें गठित की हैं। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की एक टीम भी रियासी में स्थिति का आकलन कर रही है।

डबल इंजन सरकार के चंद घंटों के मंगलराज का देखिए अद्भुत आपराधिक नजारा, तेजस्वी ने नीतीश सरकार पर कसा तंज

पटना। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव ने एक बार नीतीश सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने आज यानी गुरुवार को राज्य की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े करते हुए अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, बिहार में डबल इंजन सरकार के चंद घंटों के मंगलराज का अद्भुत आपराधिक नजारा देखिए। मुख्यमंत्री से लेकर दो-दो उपमुख्यमंत्री सहित समूचा अमला आपराधिक घटनाओं को लेकर आपराधिक चुप्पी ओढ़े हुए है। राजद नेता ने कई आपराधिक घटनाओं का जिक्र करते हुए लिखा. नवादा में सरेराह महिला को चाकू घोंपा, हालत नाजुक! पटना में दो बहनों पर चाकू से हमला, दोनों गंभीर रूप से जख्मी!. भागलपुर में बदमाशों ने निर्वस्त्र कर महिला की पीट-पीटकर की निर्मम हत्या। सुपौल में दो बच्चों की निर्मम हत्या, गड्ढे में मिले शव। मुंगेर के डंगरी नदी में महिला का मिला शव।. छपरा में कोर्ट जा रहे दो प्रसिद्ध वकीलों की अपराधियों ने गोली मारकर हत्या की। छपरा में बेखौफ अपराधियों ने युवक को गोली मार मचाया तांडव। छपरा में पुलिस टीम पर हमला। तेजस्वी यादव ने आगे लिखा, भोजपुर में प्लंबर की हुई हत्या। कोईलवर पुल के पास मिली लाश। मोतिहारी के घोड़ासहन में अपराधियों ने व्यवसायी को गोली मार पैसे लूट फरार। 1. गोपालगंज में हार्डवेयर कारोबारी को गोली मारी। बगहा में पंचायती के दौरान ताबड़तोड़ फायरिंग। आरा में हथियारबंद अपराधियों ने की फायरिंग, क्षेत्र में मचा हड़कंप, युवक को लगी गोली। पटना के मसौढ़ी में अपराधियों ने की कई राउंड फायरिंग, एक को लगी गोली।

पीएम मोदी के लिए अच्छा मौका है, इस्तीफा देकर देश में एक साथ करा लें चुनाव: संजय सिंह

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने एक राष्ट्र, एक चुनाव, एनडीए के घटक दलों के मंत्रालय बंटवारे और जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी घटना को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी। न्यूज एजेंसी से गुरुवार को बातचीत करते हुए संजय सिंह ने एक राष्ट्र, एक चुनाव पर कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के लिए इससे अच्छा क्या मौका होगा। वह पीएम पद से इस्तीफा देकर पूरे राष्ट्र का चुनाव एक साथ करवा लें। भाजपा को पूर्ण बहुमत नहीं है। उनकी 240 लोकसभा सीट आई है। ऐसे में कोशिश करें पूरे देश का चुनाव और लोकसभा चुनाव फिर से करवा लें। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी और उनकी पार्टी को लगता है कि एक राष्ट्र, एक चुनाव होना चाहिए। ऐसे में वह राज्य की सारी सरकारें और केंद्र सरकार को भंग कर दें। अभी तत्काल एक साथ सारे चुनाव करवा दें। उनके लिए यह एक बेहतरीन मौका है। एनडीए के घटक दलों के मंत्रालय बंटवारे को लेकर संजय सिंह ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि एनडीए में सब ठीक नहीं है, इसका कारण है कि एनडीए के सहयोगी दलों को भाजपा ने झुनझुना मंत्रालय थमा दिया। आपने ना तो रेल मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, कृषि मंत्रालय, सड़क और ना ही वाणिज्य मंत्रालय सहयोगी को दिया। सहयोगी दलों को कोई बड़ा मंत्रालय नहीं दिया गया। उनको सिर्फझुनझुना मंत्रालय दिया। एक पार्टी को मछली विभाग और दूसरे को जहाज विभाग दे दिया। अब तो जहाज भी प्राइवेट वालों का है, सरकार के पास अपना कोई जहाज नहीं है। यहां तक कि हवाई अड्डे प्राइवेट वालों के हैं, अब हवाई अड्डा सरकार के पास नहीं है। संजय सिंह ने कहा कि जेडीयू को मछली पालन विभाग दे दिया। मुझे लगता है कि पीएम मोदी ने एक तरह से संकेत दे दिया है कि हम ऐसे ही सरकार चलाएंगे। आपको साथ में रहना है तो रहिए नहीं तो आगे आपकी पार्टियां तोड़ेंगे। टीडीपी को तोड़ेंगे, जदयू को तोड़ेंगे, जनता दल सेक्युलर को तोड़ेंगे।उन्होंने यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) को लेकर मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि यूसीसी देश के आदिवासियों, सिख समुदाय, देश के वंचित लोगों के खिलाफहै। आप देश में ऐसा कानून लागू करना चाहते हैं। भारत विविधताओं का देश है। हमारा देश अलग-अलग जातियों और धर्मों से बना है। आदिवासी समाज में शादी और तलाक की प्रथा अलग है, सिख समाज में भी शादी की प्रथा अलग है। आप कह रहे हैं कि हम सबकुछ एक कर देंगे। मुझे लगता है कि टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू और जेडीयू को यूसीसी को लेकर सवाल पूछना चाहिए, क्योंकि इन्होंने इस पर सवाल भी उठाए थे। संजय सिंह ने जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी घटनाओं की निंदा करते हुए कहा कि सरकार को इन हमलों पर भी ध्यान देना चाहिए। सरकार दावा करती रही है कि घाटी से आर्टिकल-370 हटाए जाने के बाद से अमन और शांति है।

दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दिया हलफनामा, कहा- टैंकर माफिया के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर सकते

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पानी की किल्लत को लेकर जारी राजनीतिक संग्राम के बीच गुरुवार को केजरीवाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल किया। अपने हलफनामा में बताया कि हम मजबूर हैं। हम टैंकर माफिया के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं कर सकते। वजह यह है कि टैंकर माफिया दिल्ली से नहीं, बल्कि हरियाणा से संचालित होते हैं, जिसकी वजह से हमारे हाथ बंधे हुए हैं। दिल्ली सरकार ने अपने हलफनामा में बताया, टैंकर माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई करना हमारे क्षेत्राधिकार में नहीं आता है। अगर आता तो हम अब तक उनके विरुद्ध कार्रवाई कर चुके होते। हरियाणा सरकार को बताना चाहिए कि वो दिल्ली को पानी मुहैया कराने की दिशा में क्या कुछ कदम उठा रही है? क्योंकि, यहां लोग पानी की एक-एक बूंद के लिए तरस रहे हैं। दिल्ली जल बोर्ड ने राष्ट्रीय राजधानी में पानी की आपूर्ति के लिए पूरी रूपरेखा तैयार की है, जिसे जल्द ही धरातल पर उतारा जाएगा। यह ब्लूप्रिंट दिल्ली में पानी की किल्लत को देखते हुए तैयार किया गया है। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यों के बीच यमुना जल का बंटवारा एक जटिल मुद्दा है। जिस पर सभी पक्षों के साथ विस्तृत बातचीत के बाद ही किसी नतीजे पर पहुंचा जा सकेगा। कोर्ट ने कहा कि पानी का बंटवारा अपर यमुना रिवर फ्रंट पर छोड़ देना चाहिए। अपर यमुना फ्रंट ने दिल्ली सरकार से मानवीय आधार पर पहले ही 152 क्यूसेक पानी दिए जाने का अनुरोध किया है। बता दें कि बीते दिनों सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में पानी की किल्लत पर सुनवाई की थी। जिसमें दिल्ली सरकार से इस संबंध में कई तीखे सवाल किए गए थे। दिल्ली सरकार से पूछा गया था कि आखिर आपने अभी तक वाटर टैंकर माफिया के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की? दिल्ली में पानी का संकट अपने चरम पर है, लेकिन आप हाथ पर हाथ धरे बैठे हुए हैं? जब आपको पता था कि हर साल गर्मी का मौसम आते ही दिल्लीवासियों को पानी की एक-एक बूंद के लिए तरसना पड़ जाता है, तब भी आप खामोश रहे, आखिर क्यों? आपने दिल्ली में पानी की बर्बादी रोकने के लिए क्या किया? दिल्ली की मौजूदा स्थिति को देखकर तो ऐसा ही लगता है कि आपने अभी तक कुछ नहीं किया है। सुप्रीम कोर्ट से फटकार खाने के बाद दिल्ली सरकार ने गुरुवार को पानी की किल्लत के संबंध में हलफनामा दाखिल किया, जिसमें उन्होंने विस्तार से अपनी मजबूरियों के बारे में बताकर अपना बचाव किया। टैंकर माफियाओं के वर्चस्व का अंदाजा आप महज इसी से लगा सकते हैं कि वो दिल्ली के लोगों को पानी देने के एवज में अपने मनमुताबिक उनसे पैसे ऐंठ रहे हैं। कई लोगों ने खुद सामने आकर इस संबंध में शिकायत दर्ज करवाई है, लेकिन आलाधिकारी इस पर मौन साधे हुए हैं। वहीं दिल्ली में जारी पानी की किल्लत को लेकर राजनीतिक गलियारों में सियासत अपने चरम पर है।

खबरें एक नजर में

बीजेपी अपराध विरोधी, अपराधियों को छिपा कर रखने वाली पार्टी राजद, तेजस्वी को सम्राट चौधरी का करारा जवाब

पटना। बिहार में आपराधिक घटनाओं के बढ़ने पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के द्वारा उठाए गए सवाल का भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने करारा जवाब दिया है। उन्होंने तेजस्वी के ट्वीट पर कहा कि बिहार में आपराधिक घटनाओं पर कार्रवाई होने में देर नहीं होती है। अपराधियों को छुपा के रखने वाले राजद के लोग होते हैं।सम्राट चौधरी ने कहा कि बीजेपी अपराध विरोधी है। अपराधी बख्शे नहीं जाएंगे, जिन लोगों ने अपराध किया है, उन पर कार्रवाई होगी। तेजस्वी के परिवारवाद को लेकर भाजपा के केंद्रीय मंत्रिमंडल पर सवाल उठाने पर सम्राट चौधरी ने कहा कि बीजेपी में जो काम करते हैं, उन्हीं को जगह मिलती है। वह किसी के पुत्र हैं, इस कारण से जगह नहीं मिलती है। वंशवादी राजनीति के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी है। बता दें कि तेजस्वी यादव ने आज यानी गुरुवार को राज्य की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े करते हुए अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, बिहार में डबल इंजन सरकार के चंद घंटों के मंगलराज का अद्भुत आपराधिक नजारा देखिए। मुख्यमंत्री से लेकर दो-दो उपमुख्यमंत्री सहित समूचा अमला आपराधिक घटनाओं को लेकर आपराधिक चुप्पी ओढ़े हुए है।

क्या संघ परिवार मुसलमानों से बदला ले रहा? यूपी में मौलानाओं के कत्ल और बुलडोजर एक्शन पर भड़के ओवैसी

हैदराबाद। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि हालिया लोकसभा चुनाव के बाद देश के कई हिस्सों में मुसलमानों पर हमले की घटनाएं बढ़ गई हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स पर एक पोस्ट में हैदराबाद के सांसद ने सवाल किया कि क्या संघ परिवार ष्मुसलमानों से बदला ले रहा है। ओवैसी ने दावा किया, चुनाव नतीजों के बाद देश के कई हिस्सों में मुसलमानों पर हमले की घटनाएं बढ़ रही हैं। उत्तर प्रदेश में दो मौलानाओं की हत्या कर दी गई, अकबरनगर में मुसलमानों के घरों पर बुलडोजर चला दिया गया, छत्तीसगढ़ में दो मुसलमानों की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। एआईएमआईएम प्रमुख ने सवाल किया, ष्क्या संघ परिवार मुसलमानों से बदला ले रहा है।

90 दिन से अधिक दाखिल-खारिज के लंबित मामलों पर होगी कार्रवाई, म्यूटेशन पर सीएम चंपई का कड़ा रूख

रांची। मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने लगातार दूसरे दिन प्रोजेक्ट भवन में विभागों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने म्यूटेशन (दाखिल-खारिज) के लंबित मामलों पर भी कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि अंचल ऑफिस में म्यूटेशन के कई मामले बिना किसी ऑब्जेक्शन के काफी समय तक लंबित रहते हैं। न तो मामलों का निष्पादन होता है और न ही उन्हें रिजेक्ट किया जाता है, इसकी जांच हो। मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने कहा कि जहां भी 90 दिन से अधिक म्यूटेशन के मामले लंबित हैं, वहां संबंधित सीओ को शोकॉज जारी करें। कार्रवाई का प्रस्ताव सरकार को भेजें। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि सभी डीसी अपने जिले के अंतर्गत आने वाले उन अंचलों को चिन्हित करें, जहां बिना किसी वजह के म्यूटेशन के मामले 90 दिनों से ज्यादा समय से लंबित हैं, उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करें और कार्रवाई का प्रस्ताव भेजें। सीएम ने कहा कि राज्य के कई इलाकों में जमीन की गलत तरीके से खरीद- बिक्री के मामले सामने आ रहे हैं। इस पर हर हाल में रोक लगे। इसमें जो भी दोषी हो, उनके खिलाफ कार्रवाई हो। सभी डीसी अपने जिलों के अंतर्गत आनेवाले अंचलों का नियमित निरीक्षण करें और वहां म्यूटेशन के मामलों की समीक्षा करें। जमीन से संबंधित दस्तावेजों का भी सत्यापन करें।

अजित पवार की पत्नी ने राज्यसभा चुनाव के लिए दाखिल किया नामांकन

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार ने राज्यसभा चुनाव के लिए एनसीपी उम्मीदवार के तौर पर नामांकन दाखिल किया है।सुनेत्रा पवार ने हाल ही में बारामती निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा चुनाव लड़ा था, जहां उनका मुकाबला मौजूदा सांसद और शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले से था।

बीजेपी नेता हरीश खुराना ने जल संकट को लेकर केजरीवाल सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पानी की किल्लत को लेकर बीजेपी नेता हरीश खुराना ने केजरीवाल सरकार को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सिर्फ अपनी राजनीतिक समृद्धि के बारे में सोचते हैं, उन्हें जनता के हित से कोई सरोकार नहीं है। अब आम आदमी पार्टी चुनाव हारने का गुस्सा दिल्ली की जनता पर निकाल रही है।हरीश खुराना ने कहा, दिल्ली के लोग पानी की किल्लत से परेशान हैं, लेकिन अफसोस मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी राजनीति करने से बाज नहीं आ रही है। जेल में रहते हुए केजरीवाल पत्र लिखते थे, जिसमें वो कहते थे कि सुनीता केजरीवाल और आतिशी जी, जरा दिल्ली वालों का ध्यान रखिएगा कि उन्हें पानी की किल्लत ना हो। गर्मी का मौसम आ चुका है। ऐसे में प्रबल संभावना है कि दिल्लीवासियों को पानी के संकट का सामना करना पड़ सकता है।बीजेपी नेता ने कहा, ÷अब जब चुनाव संपन्न हो चुके हैं। आम आदमी पार्टी को दिल्ली की सभी सातों सीटों पर हार का मुंह देखना पड़ा है। केजरीवाल सरकार लोगों से बदला ले रही है। दिल्ली सरकार लोगों को अपने हाल पर छोड़ रही है। अब आप ना ही कोई चिट्ठी लिख रहे हैं, ना ही कोई निर्देश जारी कर रहे हैं, ना ही कोई कदम उठा रहे हैं, जिससे स्पष्ट है कि आपको दिल्ली के लोगों की कोई चिंता नहीं है। उधर, मंत्री आतिशी हर बार की तरह इस बार भी आरोप-प्रत्यारोप कर रही हैं। दिल्ली सरकार के संरक्षण की वजह से आज राजधानी में टैंकर माफिया के हौसले बुलंद हैं। लोगों को पानी तक नहीं मिल पा रहा है। यह बहुत ही हैरान करने वाली बात है कि लोगों को टैंकर से पानी मिल रहा है, लेकिन नल से पानी नहीं दिया जा रहा है। दिल्ली में अगर आज लोग पानी की किल्लत से बदहाल हैं, तो इसके जिम्मेदार कोई और नहीं, बल्कि केजरीवाल सरकार और उनकी कार्यप्रणाली है। सच्चाई यह है कि केजरीवाल सरकार को दिल्ली की जनता के हितों से कोई लेना देना नहीं है।

पेमा खांडू ने अरुणाचल के मुख्यमंत्री के रूप में तीसरी बार ली शपथ

ईटानगर। बुधवार को भाजपा विधायक दल का नेता चुने गए पेमा खांडू ने गुरुवार को लगातार तीसरी बार अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त), केटी परनाइक ने ईटानगर के दोरजी खांडू कन्वेंशन सेंटर में मुख्यमंत्री पेमा खांडू व उपमुख्यमंत्री चौना मीन और 10 अन्य कैबिनेट मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ लेने वाले अन्य मंत्रियों में बियुराम वाहगे, न्यातो दुकम, गेब्रियल डेनवांग वांगसू, वांगकी लोवांग, पासंग दोरजी सोना, मामा नटुंग, दासंगलू पुल, बालो राजा, केंटो जिनी और ओजिंग तासिंग शामिल हैं। बियुराम वाहगे राज्य भाजपा अध्यक्ष हैं, जबकि दासंगलु पुल मुख्यमंत्री खांडू की अध्यक्षता वाली 12 सदस्यीय मंत्रिपरिषद में एकमात्र महिला मंत्री हैं। शपथ ग्रहण समारोह में भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग और कई अन्य गणयमान्य व्यक्ति शामिल हुए। बुधवार की बैठक में पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग और पार्टी के अरुणाचल प्रभारी अशोक सिंघल मौजूद थे, इसमें खांडू को फिर से विधायक दल का नेता चुना गया। उल्लेखनीय है कि 19 अप्रैल को लोकसभा चुनावों के साथ-साथ हुए विधानसभा चुनावों के नतीजे आम चुनावों के नतीजों की घोषणा से दो दिन पहले दो जून को घोषित किए गए थे। 60 सदस्यीय अरुणाचल विधानसभा में भाजपा ने 46 सीटें हासिल कीं, जो 2019 की तुलना में पांच अधिक है। इनमें से 10 सीटों पर भाजपा के उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए। इनमें सीएम खांडू की सीट भी शामिल है। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा की अध्यक्षता वाली नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) ने 5 सीटों पर जीत हासिल की। इसके बाद अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी (3), पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल (2), कांग्रेस (1), जबकि 3 सीटें निर्दलीय उम्मीदवारों ने जीतीं।

भाजपा नेता बीएस येदियुरप्पा को पास्को मामले में किया जाएगा गिरफ्तार

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने गुरुवार को कहा कि जरूरत पड़ने पर वरिष्ठ भाजपा नेता बीएस येदियुरप्पा को पास्को मामले में गिरफ्तार किया जाएगा, उन्होंने कहा कि राज्य का आपराधिक जांच विभाग इस पर फैसला करेगा। पूर्व मुख्यमंत्री के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पास्को) मामला दर्ज किया गया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उन्होंने 17 वर्षीय लड़की से छेड़छाड़ की थी। इस बीच गिरफ्तारी के डर से येदियुरप्पा ने कर्नाटक हाई कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की। अदालत ने मामले को कल सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। बुधवार को सीआईडी ने येदियुरप्पा को यौन उत्पीड़न मामले में पूछताछ के लिए पेश होने के लिए समन भेजा था। येदियुरप्पा ने सीआईडी के नोटिस का जवाब देते हुए कहा कि वह दिल्ली में अपनी मौजूदगी का हवाला देते हुए 17 जून को पूछताछ के लिए उपस्थित होंगे। लड़की की मां ने 14 मार्च को सदाशिवनगर पुलिस स्टेशन में येदियुरप्पा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

आंध्र प्रदेश को गरीबी मुक्त राज्य बनाना मेरा लक्ष्य: सीएम नायडू

तिरुपति। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने कहा है कि उनका लक्ष्य आंध्र प्रदेश को गरीबी मुक्त राज्य बनाना है। तिरुमाला मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद उन्होंने मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कहा कि वह आमदनी बढ़ाने और गरीबों में उसका वितरण सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा, मैं भारतीय समुदाय को दुनिया में शीर्ष पर देखना चाहता हूं और भारतीय समुदाय में 35 प्रतिशत तेलुगु लोगों को पहले स्थान पर देखना चाहता हूं। हमें शून्य गरीबी वाले राष्ट्र, शून्य गरीबी वाले राज्य और शून्य गरीबी वाले जिले के लिए काम करना चाहिए। बुधवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले नायडू ने कहा कि वह राज्य और सभी तेलुगु लोगों की तरक्की के लिए प्रार्थना करते हैं।आर्थिक असमानताओं को दूर करने की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि यह केवल सरकारी नीतियों के माध्यम से ही संभव है। उन्होंने इस दिशा में संयुक्त आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में उनके द्वारा की गई पहलों को याद किया। उन्होंने कहा, सीबीएन 1.0 की शुरुआत 1995 में हुई थी। हमने सचिवालय तक सीमित शासन को लोगों के दरवाजे तक पहुंचाया। काफी विकास हुआ, जिसके नतीजे सबने देखे। दुनिया के नेता हैदराबाद आए। मैंने उन्हें आमंत्रित नहीं किया। वे खुद ही आए, और वह लोग वहां आते हैं, जहां अच्छा काम होता है। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) ने परिवार व्यवस्था को देश की सबसे बड़ी संपत्ति बताया। मुख्यमंत्री ने कहा, परिवार आपकी ऊर्जा को रिचार्ज करता है, आपको सुरक्षा और खुशी देता है। भारत की परिवार प्रणाली पूरी दुनिया के लिए एक आदर्श है। जब मैं जेल में था तो परिवार ही मेरा सबसे बड़ा सहारा साबित हुआ। नायडू ने स्पष्ट किया कि किसी को निशाना नहीं बनाया जाएगा, लेकिन जिन लोगों ने गलत किया है, उन्हें कानून के अनुसार दंडित किया जाएगा। एनडीए को भारी जीत मिलने को उन्होंने ऐतिहासिक जनादेश बताया। हमने इतना बड़ा जनादेश पहले कभी नहीं देखा था। 93 प्रतिशत का स्ट्राइक रेट राज्य या देश के इतिहास में कभी नहीं हुआ उन्होंने कहा कि भगवान ने भी अच्छाइ की रक्षा और बुराई को दंडित करने का आदेश दिया है। तिरुमाला मंदिर से जुड़ाव को लेकर उन्होंने कहा कि यह भगवान का आशीर्वाद है कि वे जीवन में मुख्यमंत्री बनें और राष्ट्रीय राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। 2003 में इसी मंदिर के पास माओवादियों द्वारा की गई हत्या की नाकाम कोशिश का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भगवान ने उन्हें जीवनदान दिया है।टीडीपी सुप्रीमो ने कहा कि वह हर सुबह वेंकटेश्वर स्वामी से आशीर्वाद लेने के लिए प्रार्थना करते हैं। सीएम ने आरोप लगाते हुए कहा कि पिछली सरकार ने तिरुमाला की पवित्रता को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की।

पारदर्शिता-शुचिता के प्रश्न

हाल के दिनों में देश में विभिन्न रोजगारपरक प्रतियोगी परीक्षाओं व व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने और संदेह के घेरे में आने के मामले लगातार उजागर होते रहे हैं। निश्चित रूप से सुनहरे भविष्य की आस में रात-दिन एक करने वाले प्रतियोगियों के साथ यह अन्याय बेहद कष्टदायक है। जो प्रतिभागियों का विश्वास व्यवस्था से उठाता है। मेडिकल परीक्षा की पुरानी प्रक्रिया में व्याप्त विसंगतियों को दूर करने के लिये लाई गई नई व्यवस्था भी अब सवालों के घेरे में है। यही वजह है वर्ष 2024 की नीट-यूजी परीक्षा के रिजल्ट आने पर परीक्षार्थियों में गहरा रोष व्याप्त हो गया। जिसके खिलाफहजारों छात्रों ने कोर्ट में याचिकाएं दायर की हैं। छात्र दोबारा प्रवेश परीक्षा आयोजित करने की मांग कर रहे हैं। बीते सोमवार इन याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए देश की शीर्ष अदालत ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को नोटिस देकर जवाब देने को कहा है। दरअसल, परीक्षार्थी पेपर लीक व नंबर देने में अनियमितताओं के आरोप लगा रहे हैं। कोर्ट ने सवाल उठाया है कि इस अविश्वास पैदा होने की वजह क्या है? जाहिरा तौर पर लाखों छात्रों के भविष्य से जुड़ी परीक्षा प्रणाली को संदेह से परे होना ही चाहिए। यदि व्यवस्था में कोई खामी है तो उसका निराकरण बेहद जरूरी है। दरअसल, इस संदेह की वजह यह भी है कि देश के मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिये एनटीए द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह-प्रवेश परीक्षा यानी नीट-यूजी को लेकर गंभीर सवाल उठे हैं। आरोप लगे हैं कि इस बार परीक्षा में 67 कैंडिडेट को शत-प्रतिशत अंक मिले हैं, जबकि पिछले पांच वर्षों में पूर्ण अंक पाने वालों की संख्या सिर्फ तीन थी। सवाल ग्रेस मार्क्स देने की तार्किकता को लेकर भी उठे हैं। वहीं टॉप पर आने वाले 67 छात्र चुनिंदा कोचिंग सेंटरों से जुड़े हैं। कुल मिलाकर परीक्षा की पारदर्शिता को लेकर सवाल उठाये जा रहे हैं। निश्चित रूप से लाखों छात्रों की उम्मीदों वाली इस देशव्यापी परीक्षा को लेकर किसी किंतु-परंतु की गुंजाइश नहीं रहनी चाहिए। दरअसल, देश के विभिन्न राज्य भी इस परीक्षा प्रणाली को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। खासकर कोचिंग सेंटरों के खेल व अंग्रेजी के वर्चस्व के चलते आरोप लगाये जाते हैं। आरोप हैं कि इस परीक्षा में हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं में परीक्षा देने वाले छात्रों को न्याय नहीं मिलता। तमिलनाडु समेत दक्षिण भारत के कई राज्य आरोप लगाते रहे हैं कि राज्य की भाषा के छात्रों को नई परीक्षा प्रणाली से नुकसान उठाना पड़ रहा है। तमिलनाडु सरकार ने बाकायदा इस बाबत पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक कमेटी भी गठित की थी। राज्य सरकार का आरोप है कि मेडिकल कॉलेजों में तमिल भाषी छात्रों को कम जगह मिल रही है। निश्चित रूप से जहां इस परीक्षा के पेपर लीक व ग्रेस मार्क्स में अनियमितताओं को लेकर उठे सवालों के समाधान तलाशने की जरूरत है, वहीं हिंदी व अन्य क्षेत्रीय भाषाओं के परीक्षार्थियों के साथ न्याय होना भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए। जब पूरे देश में हजारों छात्र पुनः परीक्षा कराने की मांग पर अड़े हैं और पूरे देश में इसके खिलाफ याचिकाएं दायर की जा रही हैं तो नीति-नियंताओं को मामले की तह तक जाना चाहिए। गत पांच मई को हुई इस परीक्षा में चौबीस लाख परीक्षार्थी शामिल होने की बात कही जा रही है तो इसके व्यापक दायरे और इससे जुड़ी आकांक्षाओं का आकलन सहज ही हो जाता है। ऐसे में बड़ी संख्या में परीक्षार्थियों को शत-प्रतिशत अंक मिलने तथा पंद्रह सौ छात्रों का अनुग्रह अंक पा जाना तार्किकता की कसौटी पर खरा नहीं उतरता। निस्संदेह, लाखों छात्रों के लिये परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था संदेह से मुक्त होनी चाहिए। परीक्षा की शुचिता बनाये रखने के लिये निष्पक्ष जांच जरूरी है। अन्यथा छात्रों का व्यवस्था से भरोसा उठ जाता है। नीति-नियंताओं को सोचना चाहिए कि इन्हीं अव्यवस्था व अनियमितताओं के चलते हर साल लाखों छात्र पढ़ाई व नौकरी के लिये लगातार विदेश जा रहे हैं। भारतीय प्रतिभाओं व धन का बाहर जाना देश के हित में कदापि नहीं हो सकता है।

मिथक ध्वस्त

समकालीन मुस्लिम मतदान व्यवहार के लिए दो प्रमुख व्याख्याएँ हैं, विशेष रूप से हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव के परिणामों के संबंध में। सार्वजनिक टिप्पणीकारों का एक वर्ग एक पुरानी दलील को दोहराता है कि मुसलमान हमेशा भारतीय जनता पार्टी को हराने के लिए राजनीति में भाग लेते हैं। यह तर्क पूरी तरह से गलत नहीं है। भाजपा ने चुनावों से पहले अपने नरेंद्र मोदी-केंद्रित, हिंदुत्व-संचालित अभियान से विचलित नहीं हुई। पार्टी ने अपने मूल मतदाताओं तक पहुँचने के लिए स्पष्ट रूप से मुस्लिम विरोधी बयानबाजी पर बहुत अधिक भरोसा किया। इस अर्थ में, लोकसभा में पूर्ण बहुमत हासिल करने में भाजपा की विफलता को इस रणनीति के स्पष्ट परिणाम के रूप में देखा जा रहा है। यह दावा किया जा रहा है कि धार्मिक आधार पर मतदाताओं को ध्रुवीकृत करने के भाजपा के प्रयासों ने मुसलमानों को पूरे देश में गैर-भाजपा उम्मीदवारों को वोट देने के लिए प्रोत्साहित किया।दूसरी व्याख्या अधिक अटकलबाजी वाली है। भारत ब्लॉक ने अब तक इस बार प्राप्त हुए भारी मुस्लिम समर्थन पर किसी भी चर्चा से बचने की कोशिश की है। कुछ को छोड़कर गैर-भाजपा दल इस तथ्य को सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं करना चाहते हैं कि सक्रिय मुस्लिम समर्थन के बिना उनकी सफलता लगभग असंभव थी। इस तरह की राजनीतिक अनिच्छा को रणनीतिक चुप्पी के रूप में उचित ठहराया जाता है। ऐसी धारणा है कि इन पार्टियों की ओर से मुस्लिम समर्थक इशारे हिंदू मतदाताओं को नाखुश करेंगे। हमें बताया जाता है कि मुसलमानों और भाजपा के राजनीतिक विरोधियों के बीच एक मौन सहमति है। वे एक-दूसरे को समझते हैं और तदनुसार अपनी पारस्परिक रूप से लाभकारी रणनीति विकसित करते हैं।सीएसडीएस-लोकनीति पोस्ट-पोल सर्वे हमें मुस्लिम मतदान के इन लोकप्रिय विवरणों से परे ले जाता है। यह सर्वेक्षण हमें समकालीन मुस्लिम राजनीति और इसकी चुनावी अभिव्यक्तियों की जटिलताओं से परिचित कराता है। विश्लेषण के लिए, तीन बुनियादी सवाल उठाए जा सकते हैं। पहला, क्या मुस्लिम समुदायों ने इस बार हिंदू समुदायों की तुलना में अधिक सक्रिय रूप से मतदान किया? दूसरा, क्या उन्होंने एक सजातीय समुदाय के रूप में या वोट बैंक के रूप में मतदान किया? और, अंत में, क्या उन्होंने भाजपा को हराने के लिए मतदान किया?हमें याद रखना चाहिए कि मुस्लिम समुदायों ने पिछले 10 वर्षों में चुनावी राजनीति को नहीं छोड़ा है। यह सच है कि 2014 के बाद हिंदू समुदायों की चुनावी भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई (लगभग 70%), जबकि मुस्लिम मतदान लगभग स्थिर (59%) रहा। वास्तव में, 2019 में मुस्लिम मतदान में मामूली वृद्धि (60%) हुई। दिलचस्प बात यह है कि 2024 में भी यह पैटर्न नहीं बदला है। हमारे डेटा से पता चलता है कि 68त्न हिंदू उत्तरदाताओं ने बताया कि वे इस बार मतदान करने में सक्षम थे, जबकि मुस्लिम मतदान लगभग 62% था। इसका सीधा सा मतलब है कि इस चुनाव में हिंदुओं की भागीदारी मुसलमानों की तुलना में बहुत अधिक थी। यह सबूत इस लोकप्रिय धारणा के विपरीत है कि मुस्लिम मतदान हमेशा एक रणनीतिक कदम रहा है।इससे हम अपने दूसरे सवाल पर आते हैं। एक शक्तिशाली दृष्टिकोण है कि मुसलमान राजनीतिक रूप से एकजुट और धार्मिक रूप से समरूप समुदाय हैं।

रियासी आतंकी हमला दर्शाता है अनुच्छेद 370 के निरस्तीकरण की सीमाएं

आशीष बिस्वास

सिख अलगाववादी अमृतपाल सिंह पंजाब के खडूर साहिब संसदीय क्षेत्र से विजयी होने से से केंद्र सरकार असमंजस में है। भारत सरकार इस बात पर अनिर्णीत है कि उनके साथ क्या किया जाना चाहिए। इस बात को लेकर अटकलें लगायी जा रही हैं कि क्या उन्हें असम के डिब्रूगढ़ सेंट्रल जेल से अंतरिम जमानत पर रिहा किया जायेगा, जहां उन्हें रखा गया है, या अन्य उपायों पर विचार किया जा रहा है। जो भी स्पष्टीकरण हो, सरकार की चुप्पी सब कुछ बयां कर रही है। न तो केंद्रीय गृह मंत्रालय और न ही केंद्रीय चुनाव आयोग ने चुनाव में खालिस्तानी समर्थक के जीतने की संभावना पर विचार किया था। यहां तक कि एक नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नयी सरकार के गठन को देखते हुए एक नरम आधिकारिक प्रतिक्रिया भी राजनीतिक चर्चाओं को शांत करने में मदद कर सकती थी। सच तो यह है कि अमृतपाल सिंह की जीत ने भारत सरकार को चौंका दिया। भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नीति निर्माता नई दिल्ली में एनडीए गठबंधन स्थापित करने में व्यस्त थे। बदलाव मुश्किल नहीं था, लेकिन ध्यान बंटाया नहीं जा सकता था। नयी एनडीए सरकार को काम पर लगना था और भाजपा के वर्चस्व वाले प्रशासन के पास खालिस्तानी समर्थकों के लिए समय नहीं था। इसके अलावा, नयी सरकार को कड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। कश्मीर के रियासी जिले में हिंदू तीर्थयात्रियों की आतंकवादी हत्या, जहां अभी-अभी चुनाव हुए थे, उस दिन नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ले रहे थे, एक स्पष्ट चेतावनी थी कि नियंत्रण रेखा पर स्थिति स्थिर नहीं थी। आतंकवादी हमले में पाकिस्तान का हाथ होने से इनकार नहीं किया जा सकता। आतंकी हमले का समय सावधानी से चुना गया था। पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन नयी नरेंद्र मोदी सरकार की परीक्षा लेना चाहते थे। यह भारत के खिलाफ एक स्पष्ट रूप से भड़काऊ कार्रवाई थी। जब पुलवामा हुआ, तो मोदी ने जोरदार तरीके से बात की थी और नियंत्रण रेखा के पार बालाकोट पर विनाशकारी जवाबी हमले का आदेश दिया था। उस समय मोदी की पार्टी भाजपा के पास लोकसभा की 543सीटों में से 303 सीटें थीं। आज स्थिति अलग है। भाजपा ने 63 सीटें खो दी हैं और 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद उसके पास केवल 240 सीटें हैं। क्या मोदी 3.0 सीमा पार से उकसावे से निपटने की स्थिति में है?रियासी आतंकी हमला एक अनूठी चुनौती है। कोई आश्चर्य नहीं कि तीसरी बार स्थापित मोदी सरकार को प्रतिक्रिया देने में इतना समय लग गया। रिकॉर्ड के लिए, यह केवल पाकिस्तान ही नहीं है, चीन, अमेरिका और यूरोपीय संघ के देश भी यह जानना चाहेंगे कि नयी एनडीए सरकार विशिष्ट परेशानियों के खिलाफ कैसे काम करती है।कांग्रेस ने रियासी की घटना की निंदा की है। लेकिन सवाल यह भी पूछे जा रहे हैं कि क्या जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को खत्म करने वाले अनुच्छेद 370 को खत्म करना वाकई कारगर रहा? मोदी की कार्यशैली से परिचित अधिकांश पर्यवेक्षकों का मानना है कि भारत सरकार अपना समय और स्थान चुनकर प्रभावी ढंग से जवाब देगी।रियासी हमले में पाकिस्तान (या आईएसआई) की संलिप्तता स्थापित की जानी है। लेकिन खालिस्तानी भारत विरोधी आंदोलन को इसके समर्थन से इनकार नहीं किया जा सकता। तो, अमृतपाल सिंह के साथ क्या किया जाना चाहिए? कनाडा या यू.के. में सिख अलगाववादियों की भारत विरोधी गतिविधियों में वृद्धि -भारतीय मिशनों, सांस्कृतिक केंद्रों और मंदिरों को निशाना बनाना- एक क्षेत्रीय राजनीतिक एजेंडे का हिस्सा है जिसे बहुत पहले तैयार किया गया था। पर्यवेक्षकों का कहना है कि इमरान खान शासन के दौरान कुछ साल पहले पाकिस्तान द्वारा अंतरराष्ट्रीय सिख तीर्थयात्रियों की आवाजाही और उनके लिए पवित्र करतारपुर साहिब स्थल पर जाने की सुविधा के लिए उदारीकरण किया गया था, जो खालिस्तान आंदोलन में एक महत्वपूर्ण मोड़ था। कोलकाता के कुछ विश्लेषकों ने भविष्यवाणी की थी कि भारत सरकार को खालिस्तानी भारत विरोधी कूटनीतिक हमले के फिर से शुरू होने के लिए खुद को तैयार करना चाहिए। यह स्थान भारत की सीमा के बहुत करीब है, इसलिए भारत के लिए यह सुविधाजनक स्थिति नहीं है। सिखों के लिए नियमों में ढील दिए जाने से खालिस्तानी समर्थक तत्वों सहित भारतीय सिखों की संख्या में वृद्धि हुई है। केनेडा और अन्य जगहों पर भारत सरकारध्भारतीय राजनयिकों के सामने आने वाली चुनौतियों ने पहले व्यक्त की गयी आशंकाओं की पुष्टि की है। वास्तव में ब्रिटेन, केनेडा या अमेरिकी राजनयिकों के एक वर्ग में खालिस्तानियों के लिए पश्चिमी देशों का समर्थन भारत के लिए एक रहस्योद्घाटन, एक दर्दनाक सीखने के अनुभव से कम नहीं है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत के लिए अपने सभी दिखावटी समर्थन के बावजूद, पश्चिम ने भारतीय राजनीतिक संस्थानों, इसकी गुटनिरपेक्ष विदेश नीति, इसके आम चुनावों, इसके मानव संसाधन रिकॉर्ड और अल्पसंख्यकों को संभालने के बारे में अपना अविश्वास व्यक्त करना कभी बंद नहीं किया है। इस पृष्ठभूमि को देखते हुए, अधिकांश पश्चिमी देशों द्वारा किसानों के आंदोलन के लिए समर्थन व्यक्त करना कोई आश्चर्य की बात नहीं थी। 2024 के लोकसभा चुनावों के नतीजों और भाजपा की ताकत में उल्लेखनीय गिरावट को लेकर पश्चिमी मीडिया के बड़े हिस्से के बीच आम तौर पर संतुष्ट स्वर में कोई गलती नहीं हो सकती है। स्पष्ट रूप से, भारत एशिया में एक क्षेत्रीय रूप से महत्वपूर्ण खिलाड़ी बन सकता है, लेकिन यह भारतीय नेताओं या उनके राजनीतिक दलों के लिए उन्नत पश्चिम के मुकाबले अहंकारी होने के लिए ठीक नहीं होगा! एनडीए को इस मामले में सावधानी से कदम उठाना चाहिए। वर्तमान स्थिति में, शत्रुतापूर्ण चीन और अविश्वासी पश्चिमी देशों के समूह का सामना करते हुए, उसे अपने घर को व्यवस्थित करना होगा।

इसके लिए काम तय है। खालिस्तानियों द्वारा पेश की गयी चुनौती से सावधानीपूर्वक निपटना होगा। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि अमृतपाल सिंह ने अपने कांग्रेस प्रतिद्वंद्वी पर लगभग 2,00,000 वोटों के अंतर से जीत हासिल की है, जो पंजाब में सबसे अधिक है। इसके अलावा, सिंह संसदीय चुनाव जीतने वाले एकमात्र अलगाववादी नहीं हैं। इंजीनियर राशिद, एक अन्य अलगाववादी, ने निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ा और जीता। अमृतपाल सिंह और इंजीनियर राशिद में जो बात समान है, वह यह है कि दोनों का भारत के संविधान में कोई विश्वास नहीं है।

नागरिक उठायें विश्व शांति के पक्ष में आवाज

मंगलवार को प्रकाशित हुई ग्लोबल पीस इंडेक्स की रिपोर्ट चिंताजनक है। इसके अनुसार हाल में दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में 56 संघर्ष हुए हैं। दूसरे विश्व युद्ध के बाद के पिछले लगभग 8 दशकों में इतनी अधिक अशांति कभी नहीं रही। यह रिपोर्ट आंकड़ों में प्रकाशित हुई है लेकिन ऐसी अशांति दुनिया को किस ओर ले जा रही है, यह बतलाने की जरूरत नहीं। इन संघर्षों के कारण होती तबाही से विकास पीछे रह जाता है। रिपोर्ट दुनिया भर में शांति बहाली के नये प्रयासों की जरूरत को भी दर्शाती है। संघर्षों में एक ओर देशों को अपने बजट का बड़ा हिस्सा सेनाओं, गोला-बारूद आदि पर खर्च करना पड़ता है जिसके कारण नागरिकों की सुविधाओं में कटौतियां होती हैं। विस्थापन, मौतें, भुखमरी, बीमारियां, अशिक्षा आदि युद्धों का प्रत्यक्ष प्रतिफल है। स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क, बिजली, पानी, आवास व्यवस्थाएं या तो सीधी लड़ाइयों में बर्बाद होती हैं अथवा उन पर खर्च करना उन देशों की सरकारों के लिये कठिन हो जाता है जो संघर्षों में शामिल होते हैं। वैश्विक शांति के बिना मानव के विकास और उसकी गरिमा की कल्पना नहीं की जा सकती। यह स्थिति सभ्य समाज के अनुकूल नहीं है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि 11 करोड़ लोग लड़ाइयों के चलते विस्थापित हुए हैं या शरणार्थी शिविरों में जीवन जी रहे हैं। रिपोर्ट में बतलाया गया है कि 92 देशों की सीमाओं पर या तो युद्ध जारी हैं अथवा वहां युद्ध सदृश्य परिस्थितियां हैं। 97 देशों में शांति की स्थिति में गिरावट दर्ज की गयी है। रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण यूरोप के तीन चौथाई देशों ने रक्षा बजट में व्यापक बढ़ोतरी की है। वहां पिछले दो वर्षों से अशांति बनी हुई है। ऐसे ही, इजरायल के साथ फिलीस्तीन, ईरान आदि की लड़ाइयों के कारण बड़े पैमाने पर विनाश हुआ है। हजारों लोग मारे गये हैं और बड़ी संख्या में लोग विस्थापित हुए हैं। इन युद्धों के कारण अधोरचना का विनाश सर्वाधिक होता है। सड़कें, पुल, स्कूल भवन, अस्पताल, आवासों को जो क्षति होती है वह नागरिकों का सीधा नुकसान है। युद्ध चलते तक पुनर्निर्माण सम्भव नहीं होता और युद्ध रूकने के बाद देशों को बदहाली से उबरने में वर्षों लग जाते हैं। युद्ध के कारण माली हालत जर्जर हो जाती है। इन देशों के नागरिकों को अपना जीवन बदहाली में काटना होता है। अशांति का असर किस प्रकार से लोगों के जीवन पर पड़ता है वह इस तथ्य के आधार पर आंका जा सकता है कि इस रिपोर्ट में बताया गया है कि लड़ाइयों के कारण 19 लाख करोड़ डॉलर का नुकसान हुआ है जो दुनिया की जीडीपी का 13.5 फीसदी है- अमूनन प्रति व्यक्ति 2 लाख रुपये का नुकसान। इन स्थितियों में संयुक्त राष्ट्रसंघ की भूमिका पर भी प्रश्न चिन्ह लगा हुआ है। अक्सर माना जाता हैय और जो बड़े पैमाने पर सही भी है कि बड़े व शक्तिशाली देशों पर संयुक्त राष्ट्रसंघ का बस नहीं चलता। उपरोक्त उल्लिखित दोनों ही देशों में ऐसा होता दिखा है। यहां यह भी समझ लेना जरूरी है कि बहुत से शक्तिशाली देश हथियार उत्पादक भी हैं जिनकी दिलचस्पी शांति में कम युद्ध या तनाव की स्थिति को बनाये रखने में होती है। दुनिया में चाहे शीत युद्ध समाप्त हो गया हो और विश्व एकध्रुवीय बन गया हो तब भी किसी संघर्ष या युद्ध के दौरान देखा जाता है कि दुनिया दो धड़ों में विभाजित हो जाती है। कुछ देश लड़ाई में शामिल एक पक्ष के साथ खड़े होते हैं तो कुछ दूसरे पक्ष के साथ। लड़ाई हो या न हो, परन्तु तनाव की यह स्थिति भी शक्तिशाली व हथियार निर्माता देशों के मुफीद होती है। लड़ने के लिये अथवा सुरक्षा के मद्देनजर उनके हथियार बिकते हैं। संयुक्त राष्ट्रसंघ एवं तटस्थ देशों की शांति की अपीलों को अनसुना कर कई देश तनाव को बढ़ाने के प्रयास करते हैं। इस रिपोर्ट में दक्षिण एशिया के सम्बन्ध में जो रिपोर्ट है वह कुछ सुकून भरी हो सकती है। पिछली रिपोर्ट के बाद भारत एवं उसके पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, अफगानिस्तान, श्रीलंका आदि की रैंकिंग सुधरी है। भारत के परिप्रेक्ष्य में कहें तो उसकी भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। तीसरी दुनिया कहे जाने वाले एशियाई, अफ्रीकी व लातिन अमेरिका के अविकसित व विकासशील देशों को अशांति का खामियाजा अधिक भुगतना पड़ता है। गुट निरपेक्ष आंदोलन के एक तरह से निष्क्रिय हो जाने के बाद भारत की ओर से शांति की पहल होनी बन्द हो गयी है वरना इन परिस्थितियों में उसकी सुनी जाती थी। आंदोलन के पीछे महात्मा बुद्ध के पंचशील तथा महात्मा गांधी के अहिसा व शांति का संदेश होता था। आज भी इन दोनों के साथ जवाहरलाल नेहरू की बातें वैश्विक शांति के सन्दर्भ में प्रासंगिक बनी हुई हैं। दुनिया को तरक्की के रास्ते पर ले जाना हो तो सर्वप्रथम वैश्विक शांति जरूरी है। इसके लिये सभी देशों को संयम बरते जाने की जरूरत है। जो देश हथियारों के सौदागर हैं पहले वे ही युद्ध की स्थिति पैदा करते हैं, फिर शांति की बात करते हैं और अंततः युद्ध कराकर अपने हथियार बेचते हैं। अच्छी-खासी तबाही कराकर वे युद्ध रूकवा देते हैं। इसके बाद उन देशों में निर्माण कार्यों के ठेके आदि लेते हैं। देखें तो युद्ध एक कुटिल अर्थप्रणाली का हिस्सा है जिससे कुछ देश ही लाभान्वित होते हैं और ज्यादातर तबाह। कभी धर्म तो कभी राष्ट्रवाद के नाम पर होती लड़ाइयां सरकारों के लिये तो लाभप्रद हो सकती हैं पर नागरिकों की भलाई वैश्विक शांति में ही निहीत है। इसलिये शांति के पक्ष में जनता को आवाज उठानी चाहिये।

आज का राशि फल

मेषः- निकट संबंधों में शंकाओं को न हावी होने दें। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति होने के आसार बनेंगे। नौकरी का वातावरण सुखद होगा। संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। परिवार में खुशहाली स्थिति रहेगी।

वृषभः- परिश्रम का समुचित लाभ प्राप्त होगा। पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा। महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के अवसर मिलेंगे।

मिथुनः- मन सुंदर कल्पनाओं से प्रभावित होगा। नये संबंधों के प्रति निकटता बढ़ेगी। उपस्थित साधनों में संतुष्ट व तृप्त रहने का प्रयत्न करें। रोजगार में अपनी क्षमताओं का भरपूर लाभ उठाएंगे। आलस्य कतई न करें।

कर्क :- बीती बातों को भूलने की कोशिश करें। रोजगार में लाभ के अच्छे अवसर मिलेंगे। भौतिक इच्छाएं बलवती होंगी। अभिभावकों के भावनात्मक सहयोग से उत्साह बढ़ेगा। आकांक्षाओं की पूर्ति होगी।

सिंहः- नौकरी का वातावरण सुखद होगा। भावनात्मक समस्याओं पर सगे-संबंधियों के बीच खुलकर बात करें। कुछ नये उत्साह व क्षमता की अनुभूति करेंगे। रोजगार क्षेत्र में लाभकारी स्थिति मन को प्रसन्न रखेगी।

कन्याः- महत्वपूर्ण कार्य को कल पर न टालें। नकारात्मक चिंताओं का त्याग करें। महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां अपनी पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगी। भावावेष में किये गये कार्य से कष्ट संभव।

तुलाः-महत्वाकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी। घरेलू कार्यों में अत्याधिक व्यय का योग है। कार्यक्षेत्र में व्यस्तता बढ़ेगी। परिवार में सुखद स्थिति प्रसन्नता लाएगी। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें।

वृश्चिकः- अवरोधित कार्य हल होंगे। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। विद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी। जरूरी कार्यों में आलस्य न करें। किसी मेहमान के आगमन से व्यय संभव।

धनुः- सगे-संबंधों में कटु वचनों का प्रयोग न करें। माता के स्वास्य के प्रति सचेत रहें। अच्छे कार्यों द्वारा प्रशंसा के पात्र बनेंगे। राजनीति से जुड़े लोगों को ग्रहों की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

मकरः- विभागीय परिवर्तन से कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। अपने अंदर धैर्य व वाणी में मधुरता लायें। कुछ नई अभिलाषाएं मन में जागृत होंगी। प्रियजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। गुप्त विरोधियों से सतर्क रहें।

कुंभः- राजनीति से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल रहेगा। अच्छे कार्यों के लिए प्रशंसनीय होंगे। शासन-सत्ता से लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। आलस्य कतई न करें।

मीनः- किसी नये कार्य की ओर आपका रुझान बढ़ेगा। किसी महत्वपूर्ण फैसले के लिए मन केंद्रित होगा। नवीन योजनाओं द्वारा प्रगति के आसार बनेंगे। महत्वपूर्ण योजनाओं की पूर्ति हेतु तत्पर होंगे।

मोहन भागवत ने जो कहा और जो नहीं कहा

सर्वमित्रा सुरजन

एनडीए सरकार के गठन को जुम्मा-जुम्मा आठ दिन भी नहीं हुए कि अभी से इसमें बिखराव की खबरें आने लगीं हैं। तेदेपा और जदयू जैसे दलों के सहारे इस बार की एनडीए सरकार खड़ी हुई है। इसलिए इन दलों को मोदी की बैसाखी कहा जा रहा है। एक भी बैसाखी अलग हुई नहीं कि सरकार लड़खड़ा जाएगी या गिर जाएगी, यह राजनीति के जानकारों का कहना है। इसमें कुछ गलत भी नहीं है, क्योंकि अतीत में एनडीए सरकार के साथ ऐसा हो चुका है। अटल बिहारी वाजपेयी भी तीन बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ले चुके हैं, लेकिन तीन में से दो बार उनकी सरकार गिर गयी थी, एक बार 13 दिन और एक बार 13 महीने में। केंद्र और राज्यों में कई उदाहरण मौजूद हैं, जब गठबंधन सहयोगियों के अचानक अलग हो जाने के कारण अच्छी-खासी चल रही सरकार गिर गई और सत्ताधारियों को विपक्ष में बैठना पड़ा। बिहार इसका ताजातरीन उदाहरण है, जहां नीतीश कुमार ने इंडिया गठबंधन को झटका देकर भाजपा का साथ दे दिया। हरियाणा में भी ऐसा होने के कयास लग रहे थे, लेकिन वहां अब तक भाजपा की सरकार कायम है। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर अब केन्द्रीय मंत्रिमंडल का हिस्सा बन गए हैं। वे संघ के दिनों के नरेन्द्र मोदी के साथी हैं, लिहाजा उन्हें यथोचित सम्मान मिल गया। इसी तरह शिवराज सिंह चौहान को जब मध्यप्रदेश का मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया और उसके बाद लोकसभा चुनाव के लिए प्रत्याशी बनाया गया, तो सवाल उठने लगे थे कि आखिर इसके पीछे क्या रणनीति है। संघ की शाखाओं में दीक्षित शिवराज सिंह चौहान भारी मतों से जीत कर संसद पहुंचे और अब वे भी मंत्रिमंडल में सुशोभित कर दिए गए हैं। तीसरी बार भाजपा नेतृत्व में गठित एनडीए सरकार में संघ का क्या प्रभाव है, यह बात इन दो उदाहरणों से समझी जा सकती है। गठबंधन के साथी नीतीश कुमार, चंद्रबाबू नायडू, चिराग पासवान, जीतनराम मांझी या रामदास अठावले इस प्रभाव से अनजान हों, ऐसा भी नहीं है। लेकिन उन्हें भी शायद अब तक इससे तकलीफ नहीं है, क्योंकि सत्ता में बने रहने के लिए जो थोड़ा बहुत सामंजस्य बिठाना पड़ता है, समझौते करने पड़ते हैं, वे दोनों तरफ से किए जा रहे हैं। हालांकि कब तक आपसी समझदारी दिखाई जाती रहेगी, यह सवाल अब भी अनुत्तरित ही हैं। बहरहाल, सत्ता गठन के लिए किए गए समझौतों की इस पृष्ठभूमि में संघ के प्रभाव के साथ-साथ उसके उद्देश्यों को समझना कठिन नहीं है। हाल ही में कुछ ऐसे वाकये हुए हैं, जिनसे इस बात को थोड़े और खुलासे के साथ समझा जा सकता है। नरेंद्र मोदी ने चुनावों में जनता के समर्थन के लिए मंगलवार को आभार व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि वे अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल से मोदी का परिवार का नारा हटा लें। गौरतलब है कि लालू प्रसाद ने जब परिवार के महत्व पर अपने भाषण में नरेन्द्र मोदी को घेरते हुए कहा था कि अपनी मां के देहांत के बाद भी उन्होंने बाल नहीं मुंडवाए थे, तो इसके जवाब में श्री मोदी ने पूरे भारत के लोगों को अपना परिवार बताया था और फिर भाजपा नेताओं समेत कई मोदी समर्थकों ने सोशल मीडिया में अपनी पहचान में मोदी का परिवार लिखना शुरु कर दिया था। अब नरेन्द्र मोदी उन्हें इस पहचान को खत्म करने के लिए कह रहे हैं। यह काफी अजीब बात है कि कोई परिवार किसी मकसद के पूरा हो जाने के बाद खत्म करने के लिए कहा जाए। क्या सनातनी संस्कृति को मानने वाले इस बात से सहमत होंगे कि परिवार कांट्रैक्ट के आधार पर बने और फिर खत्म भी हो जाए। राजनीति में कुछ भी अकारथ नहीं होता, इसलिए नरेन्द्र मोदी की इस अपील के पीछे असल मकसद क्या है, यह शायद भविष्य में पता चले। एक अन्य आश्चर्य वाली बात यह है कि भाजपा की आधिकारिक वेबसाइट में मार्गदर्शक मंडल विभाग में चार तस्वीरें हैं, जिनमें सबसे पहली तस्वीर नरेन्द्र मोदी की है, फिर लालकृष्ण आडवानी, मुरली मनोहर जोशी और फिर राजनाथ सिंह। 2014 में जब मार्गदर्शक मंडल बना था, तब भी नरेन्द्र मोदी और राजनाथ सिंह का नाम तो इनमें शामिल था, लेकिन इसका उल्लेख कभी नहीं किया जाता था। जिनकी आयु 75 पार की हो गई है, वे इसमें शामिल होंगे, यह सामान्य समझ थी। श्री मोदी अगले बरस 75 के होंगे और राजनाथ सिंह उनसे एक साल छोटे हैं। फिर इन दो नेताओं की तस्वीरें किसलिए भाजपा के मार्गदर्शक मंडल में शोभायमान हो रही हैं, यह भी चर्चा का विषय है। सरकार गठन और मोदी का परिवार खत्म होने की हलचलों के बीच एक महत्वपूर्ण घटना और घटी। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने नागपुर में दिए एक भाषण में कुछ ऐसी बातें कहीं, जिनके बाद यह कहा जाने लगा कि संघ और भाजपा के बीच दरार और बढ़ गई है। दरअसल मोहन भागवत ने मणिपुर में एक बरस से अधिक वक्त से जारी हिंसा का समाधान ढूंढने और शांति बहाली पर जोर दिया, इसके अलावा उन्होंने कुछ ऐसी बातें कहीं, जिनसे आभास हुआ कि ये सब नरेन्द्र मोदी को नसीहत देने के लिए कहा गया है। जैसे, श्री भागवत ने कहा कि एक सेवक को अपने काम पर गर्व होना चाहिए, लेकिन उसे असंबद्ध और अहंकार से रहित होना चाहिए। यहां राष्ट्रीय स्वयंसेवकों को नसीहत है या खुद को देश का प्रधानसेवक कहने वाले श्री मोदी को, यह स्पष्ट नहीं किया गया। फिर चुनाव परिणामों को सहजता से स्वीकार करके, उसके विश्लेषण के चक्कर में न पड़ने की राय देते हुए मोहन भागवत ने कहा कि चुनावों को युद्ध की तरह नहीं देखा जाना चाहिए। संघ हर चुनाव में जनमत को परिष्कृत करने का काम करता है और वह परिणामों के विश्लेषण में नहीं उलझता। संभवतः मोहन भागवत का आशय यह था कि श्री मोदी कितने वोट से हार से बच गए और भाजपा की कहां, कितनी सीटें कम हुई, या राम मंदिर का मुद्दा काम क्यों नहीं आया, हिंदुत्व की धार भोथरी क्यों पड़ी, इस पर माथापच्ची करने से बेहतर है कि संघ जिस तरह जनमत को परिष्कृत यानी जनता की मानसिकता को प्रभावित करने का काम उसे पूर्ववत करता रहे, बल्कि उसमें तेजी लाए, ताकि इस बार जो कसर रह गई, वो अगली बार पूरी हो जाए। ध्यान रहे कि अगले साल यानी 2025 में संघ की स्थापना के सौ बरस पूरे हो रहे हैं। जिस भारत को बनाने में संघ का कोई योगदान नहीं रहा, उसकी आजादी के 75 बरस को जब श्री मोदी ने राजनैतिक फायदे के लिए इतना भुनाया, वो भला संघ की शताब्दी के अवसर को सूखे में कैसे जाने दें। इसलिए अभी से संघ और नरेन्द्र मोदी इसकी तैयारी कर रहे हैं, यह मान ही लेना चाहिए। वैसे भी संघ इसकी तैयारी बहुत पहले से कर रहा है। अक्टूबर 2022 में उप्र में संघ की चार दिन की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक हुई थी, जिसमें संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने बताया था कि 2024 के अंत तक देश के सभी मंडलों में शाखा पहुंचाने की योजना बनाई गई है, इसके अलावा संघ कार्य को लेकर समय देने के लिए देशभर में तीन हजार युवक शताब्दी विस्तारक के लिए निकल चुके हैं और एक हजार शताब्दी विस्तारक और निकलने वाले हैं। यह बात दो साल पहले की है, तो इसका मतलब कम से कम पांच-सात हजार विस्तारक यानी पूर्णकालिक प्रचारक की जगह अपने काम के साथ-साथ संघ का प्रचार करने वाले लोग देश भर में निकले होंगे। राम मंदिर के उद्घाटन से पहले हर घर अक्षत बांटने का काम ऐसे ही नहीं हुआ है। इसलिए जे पी नड्डा का बयान कि भाजपा को अब संघ की जरूरत नहीं है, या मोहन भागवत की मणिपुर और चुनाव को लेकर दी गई ताजा नसीहत या यह मानना कि इस बार भाजपा की सीटें कम हुई क्योंकि संघ ने उसका साथ नहीं दिया, दरअसल एक छलावे से अधिक कुछ नहीं है। कार्पोरेट की मदद से नरेन्द्र मोदी को 2014 में सत्ता पर बिठाने में संघ ने सफलता हासिल की। उसके बाद राम मंदिर उद्घाटन, काशी-मथुरा पर नए सिरे से माहौल बनाना, जम्मू-कश्मीर से 370 का खात्मा और सांप्रदायिक वैमनस्य की खाई को और चौड़ा करने तक अपने कई एजेंडो को संघ ने पूरा किया। इन्हीं दस सालों में नाथूराम गोडसे को महान बताने वाले संसद पहुंचे। गोडसे और सावरकर पर फिल्में बनाकर जनमत को परिकृष्त करने का काम भी हुआ। गांधी के चश्मे को स्वच्छता अभियान के कचरे में डाल दिया गया और नरेन्द्र मोदी ने एक बार भी गोडसे मुर्दाबाद नहीं कहा। इसका मतलब यही है कि संघ अब भी सत्ता में बैठे लोगों के लिए पहले जितना ही प्रासंगिक है। अपने भाषण में मोहन भागवत ने ये भी कहा कि पिछले 10 सालों में बहुत सारी सकारात्मक चीजें हुई हैं हमने अर्थव्यवस्था, रक्षा रणनीति, खेल, संस्कृति, प्रौद्योगिकी आदि जैसे कई क्षेत्रों में प्रगति की है। और साथ में डॉ. आंबेडकर को याद करते हुए कहा कि उन्होंने कहा था, किसी भी बड़े परिवर्तन के लिए आध्यात्मिक कायाकल्प आवश्यक है। मोहन भागवत ने क्या कहा और लोगों को क्या समझाना चाहा, यह सब गड्ड-मड्ड है। लेकिन संघ का हिंदू राष्ट्र वाला उद्देश्य तो जनता जानती ही है। जिन लोगों ने गणेशजी को दूध पिलाने की अफवाह में एक झटके में पूरे देश को लपेट लिया था, उनके लिए अपने मकसद को जनता के बीच फैलाना क्या मुश्किल होगा।

लोक कलाकारों का उत्पीड़न एवं शोषण बर्दाश्त नहीं: जयवीर

संस्कृति नीति बनाने की तैयारी, ड्राफ्ट तैयार

1500 ग्राम सभाओं को वाद्ययंत्र वितरित समीक्षा बैठक में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने सुनाया फरमान

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने कहा है कि प्रदेश की लोक संगीत हमारी संस्कृति की अनमोल धरोहर है। लोक संगीत एवं कलाकारों को संरक्षित करना जरूरी है। लोक संगीत को संरक्षण देने की उदासीनता के कारण ही बहुत-सी लोक कलाएं एवं संगीत विलुप्ति की कगार पर पहुंच चुकी हैं। गत वर्ष कलाकारों के मानदेय भुगतान में काफी शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इसके लिए एक जांच कमेटी कठित करने के निर्देश दिए गए हैं। कलाकारों का शोषण और उत्पीड़न बर्दास्त नहीं किया जायेगा। प्रत्येक पंजीकृत कलाकार को साल में तीन कार्यक्रम आवंटित किये जायेंगे। कार्यक्रम से पूर्व उनके पारिश्रमिक का 50 प्रतिशत अग्रिम तथा शेष धनराशि कार्यक्रम सम्पन्न होने के बाद सीधे उनके खाते में स्थानान्तरित की जायेगी। प्रदेश की कोई सुव्यवस्थित संस्कृति नीति नहीं थी। लोक कलाओं तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान तथा समृद्ध विरासत को बचाये रखने के लिए संस्कृति नीति का ड्राफ्ट तैयार कर लिया गया है। विभिन्न संस्थाओं के विशेषज्ञों के सुझाव प्राप्त किये गये हैं। प्रदेश के संस्कृति विभाग लोक कलाओं को संरक्षण देने तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान के लिए एक कारगर कार्ययोजना एक सप्ताह के अंदर बनाये जाने के निर्देश दिए गए हैं। प्रदेश की संस्कृति का अमिट संदेश नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए प्रदेश सरकार सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर जोर दे रही है। लोक संगीत तथा इससे जुड़े कलाकारों को रोजी-रोटी की व्यवस्था के लिए अब तक 1500 ग्राम सभाओं को वाद्ययंत्र के सेट वितरित किए गए हैं। अवशेष ग्राम सभाओं को भी इस योजना से आच्छादित किया जायेगा।मंत्री जयवीर सिंह ने सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने तथा युवाओं को जोड़ने के लिए देशभर की प्रतिष्ठित संस्थाओं से समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। समझौता ज्ञापनों की समीक्षा करते हुए कहा कि समझौता ज्ञापन का परिणाम धरातल पर दिखना चाहिए। समझौते की विभिन्न गतिविधियां लगातार चलनी चाहिए। वित्तीय अनुशासन का पालन भी किया जाना चाहिए। समझौता ज्ञापनों की अब तक की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।पर्यटन मंत्री ने संस्कृति विभाग के अधीन आने वाली सभी संस्थाओं तथा अकादमियों का बिन्दुवार समीक्षा की, उन्होंने निर्देश दिए कि खाली पदों को शीघ्र भरा जाए। इसके साथ ही संस्थान अपने माध्यम से ऐसे नवाचार तथा गतिविधियों पर जोर दें, जिससे उत्तर प्रदेश में अधिक से अधिक पर्यटक आ सकें। उन्होंने कहा कि घरेलू पर्यटकों के आवक में प्रदेश पहले स्थान पर है। एक पर्यटक छः लोगों को रोजगार देता है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था में इसका महत्वपूर्ण योगदान है। इसको देखते हुए सभी अकादमी एवं संस्थान पर्यटक गतिविधियों को बढ़ावा दें। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन के समय उत्तर प्रदेश संस्कृति प्रोत्साहन परिषद के नामित सदस्यों को अनिवार्य रूप से आमंत्रित किया जाए। उन्होंने कहा कि हर संस्थान और अकादमी के भवन एवं अन्य निर्माण भव्य और दिव्य दिखाई दे इसके लिए भी कार्ययोजना तैयार की जाए। पर्यटन मंत्री ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में मूर्ति निर्माण की अद्यतन स्थिति की भी गहन समीक्षा की। उन्हें बताया गया कि 34 में से 22 मूर्तियां अब तक तैयार की गई हैं। शेष पर कार्य प्रगति पर है। पृथ्वीराज चौहान, भारत रत्न अटल विहारी वाजपेयी, डॉ भीमराव अम्बेडकर, महर्षि वाल्मिकी तथा महाराजा दक्ष प्रजापति की प्रतिमा स्थापित कर दी गई है। इसके अलावा पं दीनदयाल उपाध्याय, महायोगी गोरखनाथ, महाराणा प्रताप, लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा तैयार हो गई है। बैठक में प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति मुकेश कुमार मेश्राम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माणाधीन योजनाओं,कार्ययोजनाओं के ड्राफ्ट तथा भवनों के सौन्दर्यीकरण का कार्य मंत्री के निर्देशों के अनुरूप पूरा किया जाए।

पुलिस में आउटसोर्सिंग से भर्ती के पत्र पर बवाल,सीएम खफा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस कुछ पदों के लिए आउटसोर्सिंग भर्ती करने वाली है। यह जानकारी जब एक पत्र के जरिए सोशल मीडिया पर वायरल हुई और कुछ वक्त बाद पत्र को निरस्त कर दिया गया तो हड़कंप मच गया।सवाल उठे और सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया शुरू हो गई।यूपी सीएम योगी इस मामले को लेकर खासे नाराज हैं।कहते हैं कि डीजीपी प्रशांत कुमार ने इस मामले को लेकर सफाई दी है और कहा है कि पत्र त्रुटिवश जारी हो गया था। डीजीपी ने कहा कि चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को आउटसोर्सिंग के माध्यम से पहले से लिया जा रहा है लेकिन गलती से यह मिनिस्टीरियल स्टाफ के नाम से जारी हो गया। इसे निरस्त कर दिया गया है और ऐसा आदेश अमल में नहीं लाया जा रहा है। पत्र पुलिस कमिश्नर, आईजी रेंज, एडीजी जोन, पुलिस अधीक्षकों के नाम जारी हुआ था जिसमें लिखा था कि पुलिस विभाग आउटसोर्सिंग के जरिए कई पद भरने वाला है। जब पत्र जारी होकर निरस्त हुआ तो युवाओं में खासा असंतोष बना और सोशल मीडिया पर लिखा गया कि अगर पत्र गलती से जारी हुआतो कार्रवाई क्यों नहीं ? मामले को लेकर कहा जा रहा है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नाराज हैं और यूपी पुलिस के अफसरों पर इसकी गाज गिर सकती है। उत्तर प्रदेश पुलिस की इस गलती से युवाओं में गुस्सा बढ़ सकता है।

पूरे देश में एक दिन में सबसे ज्यादा 653.53 मि. यूनिट बिजली आपूर्ति : शर्मा

सफलता के लिए ऊर्जा मंत्री ने प्रदेश के उपभोगताओं एवं ऊर्जा परिवार को दी बधाई

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश में भीषण गर्मी और लू के कारण विद्युत की मांग ऐतिहासिक रूप से बढ़ी है। बढ़ी हुई विद्युत की मांग को ऊर्जा विभाग सफलतापूर्वक पूरा कर रहा है। 12 जून को 22.33 बजे प्रदेश में अब तक की सर्वाधिक 30240 मेगावॉट की विद्युत आपूर्ति कर पीक आवर की अधिकतम मांग को पूरा किया गया। 12 जून को ही 17.57 बजे 23988 मेगावॉट विद्युत की न्यूनतम मांग रही। पूरे देश में एक दिन में सबसे ज्यादा 653.53 मिलियन यूनिट बिजली की खपत प्रदेश में हुई। विद्युत आपूर्ति के मामले में पूरे देश में प्रदेश को की गयी आपूर्ति सर्वाधिक रही तथा अग्रणी राज्यों से उत्तर प्रदेश बहुत आगे है। उर्जा मंत्री एके शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री के आशीर्वाद एवं मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में उर्जा विभाग के कुशल प्रबंधन एवं विद्युत कार्मिकों के कर्तव्यपरायणता की बदौलत प्रदेश ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि को प्राप्त किया है और हम इस समय प्रदेश के इतिहास की सर्वाधिक विद्युत आपूर्ति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विगत दो वर्षों से ऊर्जा के क्षेत्र में नये रिकार्ड बन रहे है और शीघ्र ही पूरे प्रदेश को रोस्टर फ्री 24 गुणा 7 विद्युत की आपूर्ति मिलेगी।ऊर्जा मंत्री ने बताया कि वर्तमान में पूरे प्रदेश में 24 घंटे विद्युत की औसत आपूर्ति की गयी। इसमें औद्योगिक क्षेत्रों, महानगरों, मण्डल व जिला मुख्यालयों, तहसील मुख्यालयों, बुन्देलखण्ड क्षेत्र, नगर पंचायतों आदि में 24 घंटे आपूर्ति की गयी। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में भी 23.55 घंटे की विद्युत आपूर्ति की गयी। प्रदेशवासियों को निर्बाध विद्युत आपूर्ति मिले, इसके लिये विगत दो वर्षों से विद्युत ढांचे को सुदृढ़ करने, उपकेन्द्रों और ट्रांसफार्मर्स की क्षमता वृद्धि का कार्य किया जा रहा है, जहां कहीं पर भी जर्जर पोल और केबल विद्युत आपूर्ति में बाधक बन रही है उसे बदला जा रहा है। उपभोक्ताओं को मांग के अनुरूप निर्बाध विद्युत आपूर्ति मिले, इसके प्रयास किये जा रहे। ऊर्जा विभाग की बेहतर कार्यप्रणाली, कुशल प्रबंधन तथा विद्युत कार्मिकों की कार्यों के प्रति लगन एवं निष्ठा की बदौलत पूरे प्रदेश को 24 घंटे विद्युत की आपूर्ति करने में सफलता मिली है। अभी भी जहां कहीं से भी स्थानीय दोषों के कारण विद्युत व्यवधान की शिकायतें मिल रही, उसका शीघ्र निदान ही नहीं किया जा रहा, बल्कि समस्या आगे न हो, उसका जड़ से ही निदान करने का प्रयास किया जा रहा है। इसमें जनप्रतिनिधियों, उपभोक्ताओं तथा विशेषज्ञों की भी सलाह लेकर विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ करने का कार्य किया जा रहा है।ऊर्जा मंत्री ने प्रदेशवासियों, उपभोक्ताओं तथा विद्युत कार्मिकों को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई दी है और निर्बाध विद्युत आपूर्ति बहाल करने में कार्मिकों के कठोर परिश्रम की सराहना भी की है।

पूरे देश में सर्वाधिक विद्युत आपूर्ति करने वाले राज्यों में यूपी नंबर वन

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य है जिसने 30 हजार मेगावाट से ज्यादा मांग के अनुरूप विद्युत आपूर्ति करने का रिकॉर्ड बनाया है। अधिकृत सूत्रों का दावा है कि 12 जून को उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन ने प्रदेश की अधिकतम डिमांड 30240 मेगावाट को पूरा किया। इसी दिन किसी भी दिवस की अधिकतम विद्युत खपत 653.526 मिलियन यूनिट (एमयू) का नया रिकॉर्ड भी बना। उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन अध्यक्ष डॉ आशीष गोयल ने दावा किया कि प्रदेश में पहली बार गर्मी में उपभोक्ताओं को 24 घण्टे विद्युत आपूर्ति की जा रही है। अत्यधिक तापमान और गर्मी के कारण विद्युत मांग प्रतिदिन नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है और विद्युत कर्मियों की कर्मठता से आपूर्ति के रिकार्ड भी बन रहे हैं। 11 जून को प्रदेश के इतिहास में सर्वाधिक विद्युत मांग 29,820 मेगावाट पहुंच गई थी। विद्युत खपत भी लगभग 643 एमयू पहुंची थी। यह रिकॉर्ड 12 जून को टूट गया और नया रिकॉर्ड बना।गत वर्ष 24 जुलाई 2023 में अधिकतम मांग 28,284 मेगावाट का रिकॉर्ड बना था। लेकिन इस बार मई माह में ही यह रिकार्ड टूट गया जब 22 मई को 28,336 मेगावाट तक मांग की आपूर्ति की गई। डॉ गोयल ने पुनः अधिकारियों को निर्देशित किया है कि लगातार पड़ रही भयंकर गर्मी एवं विद्युत की मांग में हो रही बढ़ोत्तरी को देखते हुए सावधानी बरतें। सभी कार्मिक इस चुनौतीपूर्ण समय में पूरी लगन और मेहनत के साथ अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन करें। फोन उठाएं, क्षेत्र में पेट्रोलिंग करें तथा टोल फ्री नम्बर 1912 पर आने वाली सूचनाओं पर तत्काल कार्यवाई करें। अध्यक्ष का कहना है कि विद्युत मांग के अनुरूप बिजली की व्यवस्था की जा रही है। पावर कारपोरेशन ने पूर्वानुमान के अनुरूप विद्युत उपलब्धता की व्यवस्था कर रखी है और मांग बढ़ने पर अतिरिक्त व्यवस्था भी ससमय की जा रही है। उन्होंने बताया है कि सिस्टम की कैपेसिटी के कारण कहीं भी रेसट्रिक्शन नहीं हो रही है। लोकल फाल्ट के कारण विद्युत आपूर्ति के बाधित होने की स्थिति में विद्युत कर्मी कम से कम समय में ठीक कर आपूर्ति बहाल करने हेतु प्रयासरत हैं। गुरुवार को मुरादाबाद जोन की समीक्षा में अधीक्षण अभियन्ता सम्भल को प्रतिकूल प्रविष्टि देने का निर्णय लिया गया। प्रदेश की विद्युत व्यवस्था को और बेहतर करने के लिए कारपोरेशन प्रबन्धन प्रतिदिन एक जोन की समीक्षा करता है।

नागरिक सुरक्षा के कार्यों को जनता के बीच ले जायें: प्रजापति

होमगार्ड जवानों को मिले अधिकतम ड्यूटी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा मंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मवीर प्रजापति ने आज नवीन भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में विभागीय कार्यों एवं प्रगति की समीक्षा की। बैठक में नागरिक सुरक्षा के कार्यों को जनोपयोगी ढंग से उपयोग में लाये जाने हेतु उपस्थित अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा के दौरान मंत्री ने निर्देश दिए कि जिलाधिकारियों के माध्यम से जनपदों में नागरिक सुरक्षा के वालंटियर्स को जन कार्यों में अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु प्रेरित किया जाय साथ ही समय-समय पर उनके कार्यों की समीक्षा भी की जाए। उन्होंने कहा कि नागरिक सुरक्षा के वालंटियर्स के जनहित के कार्यों से आम जनता को अवगत कराने हेतु समुचित प्रयास किये जायें जिससे जनता में नागरिक सुरक्षा के कार्यों के प्रति सम्मान का भाव जागृत हो।श्री प्रजापति ने होमगार्ड सेवा को और अधिक प्रभावशाली बनाये जाने हेतु सार्थक प्रयास किये जाने के निर्देश दिये साथ ही उन्होंने विभागीय अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि होमगार्ड्स को अधिकतम ड्यूटी आवंटित किये जाने हेतु नियमानुसार रोस्टर का निर्धारण कर उसका अनुपालन सुनिश्चित किया जाये।श्री प्रजापति ने नागरिक सुरक्षा विभाग एवं होमगार्ड

विभाग को समृद्ध व सुदृढ़ बनाये जाने पर विभागीय अधिकारियों से विस्तृत चर्चा की। इस दौरान विभागीय अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि अभी तक 15 जनपदों में नागरिक सुरक्षा की इकाई कार्य कर रही है तथा शेष 60 जनपदों में नागरिक सुरक्षा के वालंटियर्स तैनात किये जाने का प्रस्ताव शासन में विचाराधीन है। इस पर मा0 मंत्री जी ने कहा कि शासन भेजे गये प्रस्ताव को व्यक्तिगत सम्पर्क कर शीघ्र अनुमोदित कराया जाए और साथ ही विभाग के कार्यो यथा प्राकृतिक आपदा, आकस्मिक घटनायें, स्थानीय आयोजनों के साथ ही विभागों के जिला स्तरीय कार्यो आदि में उत्तरोत्तर वृद्धि हेतु पर्याप्त धन की उपलब्धता की गणना करते हुए बजट का पुनरीक्षण किया जाए। उन्होंने कहा कि बख्शी का तालाब स्थित विभागीय ट्रेनिंग सेंटर को और अधिक विकसित तथा क्रियाशील किये जाने हेतु यथा आवश्यक संसाधनों को उपलब्ध कराया जाय। उन्होंने कहा कि ट्रेनिंग सेंटर का उनके द्वारा औचक निरीक्षण भी किया जायेगा। अधिकारियां ने बताया कि नागरिक सुरक्षा में 516 सरकारी पद हैं, जिनमें से अभी 170 भरें हैं तथा 346 पद खाली हैं, जिनसे संबंधित अधियाचन अधीनस्थ सेवा चयन आयोग को भेज दिया गया है। मंत्री ने इस पर शीघ्र प्रभावी कार्यवाही कराये जाने हेतु निर्देशित किया।बैठक में प्रमुख सचिव अनिल कुमार, डीजी नागरिक सुरक्षा एके प्रसाद, डीजी होमगार्ड विजय कुमार मौर्य एवं विशेष सचिव मनोज राय सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

एक माह पहले सरयू में डूबी महिला अब तक लापता

बस्ती। 12 मई को थानाक्षेत्र के मोजपुर घाट पर सरयू नदी में नहाने के दौरान पानी में लापता हुई शालिनी का अब तक पता नहीं चल सका। परिवार के लोगों के लिए दिन का सुकून और रात की नींद गायब है। रुंधे गले से पिता कहते का मुंह भी नहीं देख पाया। अब उसे सरयू मैया के भरोसे छोड़ दिया है। बता दें कि पिपरी व रमवापुर गांव के करीब नौ बच्चे स्नान कर रहे थे। उनमें से चार बच्चे नदी की धारा में लापता हो गए थे। बच्चों की चीख,पुकार सुनकर आसपास खेतों में काम कर रहे लोगों ने सकुशल बचा लिया था, जबकि पिपरी गांव निवासी वंशीधर गिरी की बेटी पार्वती 20, शालिनी 17, बंशीधर के भाई अनिरुद्ध की पुत्री काजल 14 और रमवापुर निवासी सोहन 13 पुत्र रामू नदी की धारा में लापता हो गए थे। स्थानीय गोताखोरों ने कुछ घंटों बाद पार्वती व काजल का शव ढूंढ लिया था। घटना के दूसरे दिन एसडीआरएफगोरखपुर की टीम ने पहुंच कर सर्च अभियान चलाया, लेकिन किसी का पता नहीं चला। तीसरे दिन सोहन का शव कुछ दूरी पर चरवाहों ने उतराया हुआ देखा था, लेकिन एक माह बीत जाने के बाद भी पिपरी गांव निवासी बंशीधर गिरी की छोटी बेटी शालिनी का शव नहीं मिला।

यातायात संसाधनों की पुलिस उप महानिरीक्षक ने जांची स्थिति

बहराइच। पुलिस उप महानिरीक्षक गुरुवार को पुलिस लाइन स्थित कार्यालय पहुंचे। यहां पर सरकार द्वारा भेजे गए बजट से खरीदे गए उपकरण की जांच की। साथ ही यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करवाने के निर्देश दिए। पुलिस उपमहानिरीक्षक यातायात निदेशालय लखनऊ सुनील कुमार सिंह द्वारा यातायात कार्यालय और परिसर का निरीक्षण किया गया। यातायात निदेशालय द्वारा आवंटित धनराशि के सापेक्ष क्रय किये गये यातायात उपकरण, सामान व अभिलेखों, स्पीड लेजर गन और ब्रेथ एनलाइजर, बॉडीवार्न कैमरा आदि उपकरणों का निरीक्षण किया। समस्त उपकरणों का उपयोग किए जाने के लिए सम्बन्धित को निर्देशित किया। साथ ही सीसीटीवी सर्वर रूम, ट्रैफिक कमांड सेंटर का निरीक्षण कर जनपद के चौराहों, तिराहों पर अधिष्ठापित सीसीटीवी कैमरों के क्रियाशीलता की स्थिति का निरीक्षण किया गया। यातायात कार्यालय, स्टोर, परिसर की साफ सफाई का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर रामानन्द कुशवाहा, प्रतिसार निरीक्षक भुवनेश्वर सिंह, प्रभारी यातायात अनेन्द्र यादव तथा यातायात शाखा के समस्त कर्मचारीगण मौजूद रहे।

युवक की कनपटी में सटाया कट्टा,इंस्टाग्राम में चौटिंग के दौरान हुआ झगड़ा

बस्ती। जिले में एक युवक की कनपटी पर कट्टा सटाकर धमकी दी गई, जिसका वीडियो सामने आया है। जिस युवक की कनपटी पर कट्टा सटाया है उससे अभद्रता भी की है। इंस्ट्राग्राम पर चौटिंग में झगड़े की बात सामने आ रही है। वायरल वीडियो लालगंज थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है। जिस युवक की कनपटी पर कट्टा सटाया गया है उन दोनों के बीच पुराना आपसी विवाद होने की बात कही जा रही है। युवक किसी काम से जा रहा था। सूनसान स्थान देख मनबढ़ युवक ने उसे रोक लिया। इसके बाद धमकी देते हुए उसकी कनपटी पर कट्टा सटा दिया। इसका किसी ने वीडियो बना लिया और वायरल कर दिया। मामले को लेकर एसओ सुनील कुमार गौड़ ने बताया कि प्रकरण संज्ञान में है। दोनों के बीच इंस्टाग्राम पर चौटिंग से उपजे विवाद की बात सामने आई है। जल्द ही कट्टा सटाने वाले युवक को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। मामले में जांच की जा रही है।

घर में सो रहे बालक पर तेंदुए ने हमला कर मार डाला

बहराइच। धर्मापुर रेंज के गांव में रात डेढ़ बजे तेंदुआ घर में कूद गया। इसके बाद उसने छह वर्षीय बालक पर हमला कर दिया। सीएचसी में इलाज शुरू होते ही बालक की मौत हो गई। कतर्निया घाट वन्य जीव प्रभाग के धर्मापुर रेंज के ग्राम पंचायत जलिहा के मजरा टेपरा गांव निवासी शाहिद का मकान जंगल से 100 मीटर की दूरी पर बना हुआ है। बुधवार रात को परिवार के लोग छत पर सो रहे थे। जबकि अन्य लोग नीचे थे। रात डेढ़ बजे जंगल से निकल कर तेंदुआ घर में घुस गया। इसके बाद वाहिद (6) को तेंदुआ जबड़े में दबोचकर घर के बाहर चला गया। परिवार के लोगों ने शोर मचाया तो तेंदुआ बालक को छोड़कर फरार हो गया। रात में ही बालक को वाहन से सीएचसी मोतीपुर में भर्ती कराया गया। यहां इलाज के दौरान बालक की मौत हो गई। तेंदुए के हमले की जानकारी होने पर एसडीएम संजय कुमार, डीएफओ बी शिव शंकर, रेंजर रत्नेश कुमार भी मौके पर गए। गुरुवार सुबह गांव पहुंच कर पगचिन्हों का जायजा लिया। डीएफओ ने बताया कि 10 हजार आर्थिक सहायता राशि दी गई है। डीएफओ बी शिव शंकर ने बताया कि तेंदुए पर निगरानी के लिए एसटीपीएफ, वन विभाग और एक अन्य टीम निगरानी के लिए लगाई गई है। तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजड़ा भी लगाया जा रहा है।

दरवाजा तोड़कर एक लाख नकदी समेत अन्य सामान भी उठा ले गए चोर

बहराइच। इटहिया अमराई गांव निवासी एक ग्रामीण के दरवाजे का बेलन तोड़कर चोर घर में घुस गए। इसके बाद चोरों ने एक लाख रूपये नकदी समेत अन्य सामान की चोरी की। विशेश्वरगंज थाना क्षेत्र के इटहिया अमराई गांव निवासी राम नारायन शुक्ला पुत्र बच्छराज रात में परिवार के साथ घर में सो रहे थे। थाने में तहरीर देकर राम नारायन का कहना है कि रात एक बजे से ढाई बजे के मध्य अज्ञात चोर घर के पीछे दरवाजे से कमरे में घुसने के लिए बेलन तोड़ दिया।

करंट लगने से सेना में तैनात जवान की मौत,15 दिन पहले घर आया था

प्रयाग दर्पण संवाददाता

उरई/जालौन। जालौन में मकान निर्माण के दौरान दीवार की तराई कर रहा एक फौजी करंट की चपेट में आ गया। जिससे उसकी मौत हो गई। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया।

इस हादसे को काम कर रहे मजदूरों ने देखा तो तत्काल पुलिस व परिजनों को सूचना दी। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। जिन्होंने फौजी के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना उरई कोतवाली क्षेत्र के अजनारी रोड की है।

यहां डकोर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कहटा निवासी 26 वर्षीय रामनरेश यादव वर्ष 2016 में फौज में भर्ती हुए थे। जो इन

दिनों जम्मू में नायक के पद पर तैनात थे। रामनरेश ने कुछ समय पहले उरई के अजनारी रोड स्थित लल्ला धाम गेस्ट हाउस के पास एक प्लॉट लिया था। जिसमें निर्माण कार्य कराने के लिए वह 15 दिन पहले एक महीने की छुट्टी पर घर आया हुआ था। प्लाट पर निर्माण कार्य करवा रहा था। बुधवार देर शाम को वह निर्माणाधीन मकान की हौद में उतरकर पानी का छिड़काव कर रहा था। तभी मोटर के तार से फौजी को करंट लग गया। मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना के वक्त दो मजदूर ऊपरी मंजिल पर काम कर रहे थे। उनको इस बात की जानकारी नहीं लगी। जब वह काम बंद करके घर जाने के लिए नीचे आए तब हौद में अचेत पड़े फौजी को देखकर उनके होश उड़ गए। मजदूरों ने घटना की जानकारी फौजी के घरवालों को दी। तब पुलिस को भी खबर दी गई। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही मामले की जांच शुरू कर दी।

आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले मे महिला समेत दो गिरफ्तार

बहराइच। कोतवाली नानपारा की पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में महिला समेत दो लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। कोतवाली नानपारा अंतर्गत ग्राम मझौवा गांव निवासी मनीष कुमार की दो दिन पूर्व मौत हो गई।

युवक की मां ने आत्महत्या के लिए उकसाने का केस महिला समेत दो लोगों पर दर्ज कराया था।प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार सिंह ने बताया कि उप निरीक्षक दीपक सिंह, महिला सिपाही शालिनी सिंह और दिवाकर सिंह की टीम ने चीनी मिल मार्ग से गुरुवार को दोनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। कोतवाल ने बताया कि पुलिस टीम ने कालीचरण पुत्र रामधन निवासी पचपेड़वा मंझौवा भुलौरा और सुमन देवी पत्नी मनीष गौतम निवासी नानपारा देहाती डाक बंगला को जेल भेजा है।

अतिक्रमणकारियों के खिलाफ कार्रवाई,प्रशासन ने चलवाया बुलडोजर

उरई/जालौन। जालौन में लोकसभा चुनाव समाप्त होते ही जिला प्रशासन एक्शन मोड में आ गया है। डीएम राजेश कुमार पांडेय के निर्देश पर उरई सिटी मजिस्ट्रेट अजीत कुमार जायसवाल के नेतृत्व में नगर पालिका और पीडब्ल्यूडी ने सड़क पर कब्जा करने वाले लोगों के खिलाफ अतिक्रमण अभियान चलाया और उनके खिलाफ कार्रवाई की। इस दौरान नगर पालिका ने सड़क पर पड़ी गिट्टी, बालू और ईट को जब्त कर लिया। इसके साथ ही पीडब्ल्यूडी की जगह पर बाउंड्री बनाने वालों की दीवारों को भी प्रशासन ने ध्वस्त किया है। इस कार्रवाई से अतिक्रमण माफिया में हड़कंप मचा रहा। बता दें कि यह अतिक्रमण अभियान उरई नगर पालिका क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मंडी गेट से राठ रोड तक चलाया गया। इस सड़क पर अतिक्रमणकारियों ने अवैध तरीके से कब्जा कर लिया था, इसके साथ ही सड़क पर बाउंड्री वॉल के साथ-साथ ईट, गुम्मा, बालू, गिट्टी का जमावड़ा लगा लिया था, जिससे सड़क पर आवागमन बाधित हो रहा था और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इतना ही नहीं इसके कारण आए दिन सड़क हादसे भी होते थे, जिसकी शिकायत स्थानीय लोगों ने जिलाधिकारी से की थी। डीएम के निर्देश पर यह कार्रवाई सिटी मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में गुरुवार दोपहर को की गई, जिन्होंने नगर पालिका प्रशासन और पीडब्ल्यूडी अधिकारियों की मदद से इस अतिक्रमण अभियान को चलाया। इसके साथ ही गिट्टी, बालू, गुम्मा आदि को जब्त कर लिया। वहीं, विजय विक्रम पैलेस के पास अवैध तरीके से बनाई गई बाउंड्री को भी बुलडोजर की मदद से ध्वस्त किया गया। जिन अतिक्रमणकारियों ने जमीन पर कब्जा किया था प्रशासन की इस कार्रवाई से वह दहशत में रहे। इस कार्रवाई के बारे में अवगत कराते हुए सिटी मजिस्ट्रेट अजीत जायसवाल ने बताया कि यह कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

भाजपा मात्र भगवान श्रीराम के नाम का इस्तेमाल अपनी सा प्राप्ति के लिये करती हैः प्रमोद तिवारी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। प्रमोद तिवारी, सांसद, उप नेता, राज्य सभा ने कहा है कि जगतगुरु शंकराचार्य श्री निश्चलानन्द सरस्वती ने ठीक ही कहा है कि भारतीय जनतापार्टी ने हिन्दुओं की धर्मस्थली एवं पवित्र स्थली को भोग स्थली बना दिया, उसी का परिणाम है कि अयोध्या में उसकी हार हुई है। भा.ज.पा. भगवान श्रीराम के नाम का सहारा लेकर हिन्दुओं की भावनाओं और उनकी आस्था का इस्तेमाल अपनी सत्ता लोलुपता के लिये करती है। श्री तिवारी ने कहा है कि पुरी के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानन्द सरस्वती के बयान से पूरी तरह तस्वीर साफ हो गयी है कि भा.ज.पा. मात्र भगवान श्रीराम के नाम का इस्तेमाल अपनी सत्ता प्राप्ति के लिये करती है, उसके लिये भगवान श्रीराम आस्था के नाम नहीं बल्कि सत्ता प्राप्ति के साधन मात्र है। भारतीय जनतापार्टी ने भगवान श्रीराम के जन्म स्थान अयोध्या की पवित्रता को नष्ट किया है-भारतीय जनतापार्टी ने अयोध्या को तपस्थली तथा आस्था का केन्द्र नहीं बल्कि पर्यटन का केन्द्र बनाकर धन कमाने का एक साधन बनाया जिसका दुष्परिणाम यह हुआ कि अयोध्या में भारतीय जनतापार्टी का सफाया हो गया। श्री तिवारी ने कहा है कि यही हाल प्रमुख धार्मिक स्थली काशी में किया गया है उसकी पवित्रता पर ध्यान न देकर पर्यटन से पैसा कैसे कमाया जाय ? इस पर ध्यान दिया गया है। इस तरह माननीय मोदी जी और माननीय योगी जी ने अयोध्या और काशी जैसी हिन्दुओं की आस्था के प्रमुख स्थान की पवित्रता को नष्ट किया है। जगतगुरु शंकराचार्य जी का यह एक संदेश है जिस पर लोगों को, विशेषरूप से मोदी और योगी सहित भा.ज.पा. वालों को समझना चाहिए। तपस्थली की पवित्रता यदि नष्ट किया जायेगा और उसे भोगस्थली बनाया जायेगा तो इसका परिणाम यही होगा। श्री तिवारी ने कहा है कि जगतगुरु शंकराचार्य निश्चलानन्द सरस्वती के संदेश पर गौर करने की बात है कि अयोध्या से लेकर भगवान श्रीराम के चरण कमल जहॉ पड़े, पूरे ''राम गमन मार्ग'' पर- अयोध्या, अम्बेडकर नगर, सुलतानपुर, प्रतापगढ़ कौशाम्बी, प्रयागराज, चित्रकूट, रामटेक, नासिक, सबरी स्थली और रामेश्वरम आदि जहॉ- जहॉ होकर प्रभू श्रीराम गये- वहॉ- वहॉ भारतीय जनतापार्टी का सफाया हो गया।

धर्म का इस्तेमाल कभी राजनैतिक लाभ के लिये नहीं होना चाहिए अन्यथा एक न एक दिन उसका दुष्परिणाम भुगतना ही पड़ता है, जैसे भा.ज.पा. ने सत्ता प्राप्त करने के लिये भगवान श्रीराम के नाम का सहारा लेकर हिन्दुओं की भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया, किन्तु उसका असली चेहरा आज जनता के सामने उजागर हो गया है कि भगवान श्रीराम की जन्म स्थली अयोध्या ही नहीं बल्कि जहॉ-जहॉ होकर भगवान श्रीराम गये वहॉ- वहॉ भा.ज.पा. प्रत्याशी को पराजय का स्वाद चखना पड़ा है । श्री तिवारी ने कटाक्ष करते हुये कहा है कि मोदी जी आपने तो जन्म नहीं लिया है आप तो अवतरित हुये है आपको जो आदेष मिलता है आप वहीं करते है- तो क्या आपको तपस्थली की पवित्रता को नष्ट करके भोगस्थली बनाने का आदेश मिला था। मोदी जी और योगी जी ऐसा कृत्य करने के लिये और भवगान श्रीराम के नाम का सहारा लेकर हिन्दुओं की भावनाओं के साथ खिलावाड़ करने के लिये आपको शर्म आनी चाहिए, और जनता से क्षमा याचना करनी चाहिए। श्री तिवारी ने कहा है कि धर्म की आड़ लेकर राजनीति नहीं होनी चाहिए बल्कि राजनीति को धर्म से पृथक रखकर और जनता के हितों को, देश एवं प्रदेश के विकास उसकी सुरक्षा, सुख और शान्ति को केन्द्र बनाकर राजनीति होनी चाहिए । और लोकतन्त्र की परम्परा तथा संविधान में बताये गये सिद्धान्तों के अनुरूप देश एवं प्रदेश की जनता की सेवा करनी चाहिए। देश की जनता कैसे खुशहाल हो, महंगाई पर कैसे नियंत्रण रहे, रोजगार के अवसर का सृजन कैसे हो, जनता के बींच आपसी भाईचारा कैसे सुदृढ़ हो, देश का कैसे चहुमुखी विकास हो, इन सबको ध्यान में रखकर राजनीति होनी चाहिए न की लोगों को आपस में लड़ाकर और उनकी भावनाओं के साथ खिलवाड़ करके सत्ता प्राप्त करना चाहिए।

महिला ने सास ससुर को खिलाया जहरीला पदार्थ,प्रेमी संग फरार हुई महिला, मामला दर्ज

बांदा। जनपद में एक महिला ने परिजनों को खाने में नशीला पदार्थ खिलाकर प्रेमी संग फरार हो गई। साथ में अपने साथ दो लाख रुपए नगद और जेवर भी ले गई है। परिजनों ने बहु के खिलाफ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आपको बता दें कि पूरा मामला बांदा जनपद के नरैनी कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत एक गांव के रहने वाले एक व्यक्ति ने थाने में तहरीर देते हुए बताया कि उसकी बहू ने रात में गांव के दो युवकों के साथ अलग अलग मोबाइल नंबर से बात की थी। आधी रात के बाद गांव के ई रिक्शा में कथित युवकों के साथ बैठकर चली गई। जब ससुर और सास सुबह सो कर उठे तो देखा कि घर के कई सारे ताले खुले हुए पड़े थे। तहरीर में बताया कि युवती ने सास को जगाया तो वह बेहोशी की हालत में थी। पीड़ित ने बताया कि उन्होंने गांव के ई रिक्शा चालक से पूरी जानकारी ली। वहीं चालक ने बताया कि उसने तीनो को अतर्रा रेलवे स्टेशन में उतारा फिर वह ट्रेन में बैठकर कही चले गए हैं।

मायावती ने कुवैत अग्निकांड हादसे में भारतीयों की मौत पर जताया दुख, 41 भारतीयों की मौत

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती ने कुवैत अग्निकांड हादसे में भारतीयों की मौत पर दुख जताया तथा केंद्र सरकार से पीड़ितों के परिजन की पूरी मदद करने की मांग की है। मायावती ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, कुवैत अग्निकांड हादसे में, 41 भारतीयों की मौत होना अत्यंत दुःखद है। मरने वालों के परिवार के प्रति गहरी संवेदना है तथा घायलों के जल्दी ठीक होने की कामना करती हूं। केन्द्र सरकार, उनके परिवार वालों की पूरी मदद करें। गौरतलब है कि बुधवार को कुवैत में मंगाफ शहर की एक इमारत में आग लगने से करीब 40 भारतीयों सहित 49 विदेशी श्रमिकों की मौत हो गई और 50 अन्य लोग घायल हो गए। इस घटना में जान गंवाने वाले लोगों में से अब तक नागरिकों की पहचान हो सकी है, जो केरल के रहने वाले थे। शव की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। अग्निकांड में मरने वाले ज्यादातर केरल और तमिलनाडु के लोग हैं। इस हादसे की खबर के बाद दोनों राज्यों के परिवारों में गम का माहौल है। प्रधानमंत्री ने कुवैत में आग की घटना से संबंधित स्थिति की समीक्षा के लिए बैठक की है। पीएम मोदी ने कुवैत में आग लगने की घटना में मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री राहत कोष से मृतक भारतीय नागरिकों के परिवारों को 2 लाख रुपये की आर्थिक मदद देने की घोषणा की गई है। वहीं, केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने बुधवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर को पत्र लिखकर कुवैत में आग लगने की घटना में केंद्र के हस्तक्षेप की मांग की है। इस घटना में ज्यादातर मलयाली लोगों की जान गई है। अपने पत्र में विजयन ने कहा कि उन्हें ऐसी खबरें मिली हैं कि कुवैत के मंगाफ में एनबीटीसी कैंप के नाम से जाने जाने वाले एक कैंप में आग लग गई है और केरल के कुछ लोगों सहित कई भारतीयों की जान चली गई है।

हरदोई की सांडी दहर झील की वनस्पतियों का होगा सर्वे, टीम एक साल तक करेगी पड़ताल

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। हरदोई की सांडी दहर झील की वनस्पतियों का पहली बार सर्वे किया जाएगा। यह जिम्मा भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के मध्य क्षेत्रीय केंद्र, प्रयागराज की टीम करेगी। बारिश के बाद एक साल में सर्वे पूरा कर लेगी। इससे वहां की वानस्पतिक विविधता का पता तो लगेगा ही, विलुप्त हो रही प्रजातियों का संरक्षण भी संभव हो सकेगा।हरदोई के बिलग्राम तहसील स्थित सांडी दहर झील 308.5 हेक्टेयर में है। यहां पक्षी विहार भी है। बड़ा भू-भाग दलदल है और पशु-पक्षियों के लिए मुफीद भी। इसे 26 सितंबर 2019 को रामसर साइट का दर्जा देते हुए इसे संरक्षित घोषित किया गया था। वहां सैकड़ों प्रकार की वनस्पतियां मौजूद हैं। पहली बार उन वनस्पतियों का भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण मध्य क्षेत्रीय केंद्र की टीम सर्वे करेगी। मध्य मध्य क्षेत्रीय केंद्र की वनस्पतिज्ञ डॉ. नितिषा श्रीवास्तव ने बताया कि पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से यह प्रोजेक्ट मिला है। एक वर्ष में सर्वे पूरा करेंगे। देखेंगे कि कितने की प्रकार के पेड़, पौधे, झाड़ियां आदि हैं।

उनके नमूने भी लेंगे। वहां कुछ नई वनस्पतियां मिलने की भी संभावना है।हरदोई के बिलग्राम तहसील स्थित सांडी दहर झील 308.5 हेक्टेयर में है। यहां पक्षी विहार भी है। बड़ा भू-भाग दलदल है और पशु-पक्षियों के लिए मुफीद भी। इसे 26 सितंबर 2019 को रामसर साइट का दर्जा देते हुए इसे संरक्षित घोषित किया गया था। वहां सैकड़ों प्रकार की वनस्पतियां मौजूद हैं। पहली बार उन वनस्पतियों का भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण मध्य क्षेत्रीय केंद्र की टीम सर्वे करेगी। मध्य मध्य क्षेत्रीय केंद्र की वनस्पतिज्ञ डॉ. नितिषा श्रीवास्तव ने बताया कि पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से यह प्रोजेक्ट मिला है। एक वर्ष में सर्वे पूरा करेंगे। देखेंगे कि कितने की प्रकार के पेड़, पौधे, झाड़ियां आदि हैं। उनके नमूने भी लेंगे। वहां कुछ नई वनस्पतियां मिलने की भी संभावना है।

ऑनलाइन धोखाधड़ी के शिकार पीड़ित के 3,25000/- रुपये साइबर क्राइम सेल द्वारा वापस कराये गये

प्रयागराज। आवेदक नीरज तिवारी निवासी सोरांव थाना सोरांव जनपद प्रयागराज द्वारा साइबर क्राइम सेल प्रयागराज को सूचना दी गई कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा आवेदक के खाते से ऑनलाइन 3,25000/- रूपये की ठगी कर ली गयी है। उक्त सूचना पर साइबर क्राइम सेल कमिश्नरेट प्रयागराज द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए ऑनलाइन धोखाधड़ी से निकाली गई सम्पूर्ण धनराशि 3,25000/- रुपये आज दिनांक 13.06.2024 को आवेदक के खाते में वापस कराये गये। अपनी धनराशि वापस पाकर आवेदक का चेहरा खुशी से खिल उठा तथा उनके द्वारा साइबर क्राइम सेल कमिश्नरेट प्रयागराज के सार्थक प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा की गयी।आवेदक का नाम व पता- नीरज तिवारी निवासी सोरांव थाना सोरांव जनपद प्रयागराज । वापस करायी गयी धनराशि- 3,25000/- रुपये पुलिस टीम का विवरण-1.उ0नि0 विनोद कुमार यादव, प्रभारी साइबर सेल कमिश्नरेट प्रयागराज । 2.उ0नि0 घनश्याम यादव, साइबर क्राइम सेल कमिश्नरेट प्रयागराज । 3.का0 आशीष यादव, साइबर क्राइम सेल कमिश्नरेट प्रयागराज ।4.का0 कृष्णवीर सिंह, साइबर क्राइम सेल कमिश्नरेट प्रयागराज ।

निरस्त करके फिर से कराई जाए नीट, मेधावी छात्रों के साथ न्याय करे सरकार

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। पूर्व सांसद कुंवर रेवती रमण सिंह ने केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री को पत्र लिखकर मांग किया है कि नीट 2024 परीक्षा को निरस्त कर पुनः परीक्षा कराई जाए, ताकि मेधावी छात्रों के साथ न्याय हो सके।पूर्व सांसद ने कहा कि इस परीक्षा परिणाम को लेकर हर तरफ आक्रोश व्याप्त है।देश के कई हिस्से से परिक्षार्थी के आत्महत्या की खबरें आ रही हैं और छात्र अभिवावक लगातार आंदोलनरत हैं। इस नीट 2024 परीक्षा को आयोजित करने वाली संस्था की कार्यशैली पर कहीं न कहीं भ्रष्टाचार की बू आ रही है।

ऐसी दशा में नीट 2024 की परीक्षा को निरस्त कर पुनः परीक्षा कराई जाय और उच्च स्तरीय जांच करा कर दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही हो, ताकि लगातार हो रही प्रतियोगी परीक्षाओं में धांधली पर अंकुश लग सके।मेजा के सपा विधायक संदीप पटेल ने नीट में धांधली की जांच की

मांग की है। दोनों नेताओं ने कहा कि यह परीक्षा बच्चों के भविष्य से जुड़ी है। जिस तरह से भ्रष्टाचार और धांधली हुई है, उससे विद्यार्थियों का मनोबल टूटा है। आत्महत्या की घटनाएं बढ़ रही हैं। हम सरकार से मांग करते हैं की परीक्षा को रद्द कराया जाए। दोबारा नीट की परीक्षा हो और दोषियों पर कार्रवाई हो।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई

प्रयागराज। दिनांक-13.06.2024 को पुलिस उपायुक्त गंगानगर द्वारा पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई कर फरियादियों की शिकायतें सुनी गई तथा निस्तारण हेतु सम्बंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए ।

थाना कीडगंज पुलिस द्वारा वांछित 01 अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयागराज। थाना कीडगंज पुलिस द्वारा थाना स्थानीय के पंजीकृत मु0अ0सं0 98/2024 धारा 153ए/505/295 भा0द0वि0 व 66 आईटी एक्ट में वांछित अभियुक्त हबीब अहमद पुत्र मुन्नू अहमद नि0- 93 पूराढाकू थाना कीडगंज प्रयागराज को मुखबिर खास की सूचना पर आज दिनांक 13.06.2024 को परेड ग्राउण्ड में पीपा पुल के कारखाने के पास थाना क्षेत्र कीडगंज से गिरफ्तार कर कब्जे से 01 अवैध तमन्चा .315 बोर व 01 जिन्दा कारतूस .315 बोर बरामद किया गया । उक्त गिरफ्तारी/बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 99/2024 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत किया गया । नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है । गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-हबीब अहमद पुत्र मुन्नू अहमद नि0- 93 पूराढाकू थाना कीडगंज प्रयागराज, उम्र 35 वर्ष ।पंजीकृत अभियोग का विवरण-मु0अ0सं0- 99/2024 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट थाना कीडगंज कमिश्नरेट प्रयागराज ।सम्बन्धित अभियोग का विवरण-मु0अ0सं0 98/2024 धारा 153ए/505/295 भा0द0वि0 व 66 आईटी एक्ट थाना कीडगंज कमिश्नरेट प्रयागराज ।बरामदगी का विवरण-01 अवैध देशी तमन्चा .315 बोर व 01 जिन्दा कारतूस .315 बोर गिरफ्तारी/बरामदगी करने वाली पुलिस टीम-1. उ0नि0 उमाशंकर सिंह, चौकी नई बस्ती, थाना कीडगंज कमिश्नरेट प्रयागराज ।2. उ0नि0 आलोक रंजन, चौकी नाका, थाना कीडगंज कमिश्नरेट प्रयागराज ।3. का0 दुर्गेश कुमार व का0 मुकेश यादव, थाना कीडगंज कमिश्नरेट प्रयागराज ।4. का0 हरेराम गुप्ता व का0 रोहित कुमार, थाना कीडगंज कमिश्नरेट प्रयागराज।

थाना बहरिया पुलिस टीम द्वारा 01 अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से 01 अवैध तमंचा .315 बोर व 02 कारतूस .315 बोर बरामद

प्रयागराज। थाना बहरिया पुलिस टीम द्वारा 01 अभियुक्त अभिषेक कुमार प्रजापति पुत्र स्व0 पारसनाथ प्रजापति निवासी ग्राम अभईपुर थाना बहरिया कमिश्नरेट प्रयागराज को आज दिनांक-13.06.2024 को थाना बहरिया क्षेत्रान्तर्गत ग्राम फाजिलाबाद उर्फ कालूपुर के पास से 01 अवैध तमंचा .315 बोर व 02 कारतूस .315 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया । उक्त बरामदगी/गिरफ्तारी के आधार पर थाना बहरिया पर मु0अ0सं0-98/24 धारा-3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है । गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-अभिषेक कुमार प्रजापति पुत्र स्व0 पारसनाथ प्रजापति निवासी ग्राम अभईपुर थाना बहरिया कमिश्नरेट प्रयागराज, उम्र करीब 24 वर्ष ।पंजीकृत अभियोग का विवरण-मु0अ0सं0-98/24 धारा-3/25 आर्म्स एक्ट थाना बहरिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।बरामदगी का विवरण-01 अवैध तमंचा .315 बोर 02 कारतूस .315 बोर ।गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम-1. थानाध्यक्ष रणविजय सिंह, थाना बहरिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।2. उ0नि0 राजेन्द्र प्रसाद यादव, थाना बहरिया कमिश्नरेट प्रयागराज । 3. हे0का0 रामचन्द्र, थाना बहरिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।4. का0 मन्नू यादव, थाना बहरिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।

थाना बहरिया पुलिस टीम द्वारा 01 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयागराज। थाना बहरिया पर पंजीकृत मु0अ0सं0-97/24 धारा-379 भा0द0सं0 से सम्बन्धित 01 वांछित अभियुक्त अखिलेश कुमार पुत्र गंगाराम निवासी ग्राम रिठैया थाना सरायइनायत कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना बहरिया पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक 13.06.2024 को थाना बहरिया क्षेत्रान्तर्गत वीरगंज नहर पुलिया के पास से मुकदमा उपरोक्त में चोरी हुये 01 आधार कार्ड, 01 पैन कार्ड, 1240/- रुपये व 01 पर्स के साथ गिरफ्तार किया गया । उक्त बरामदगी/गिरफ्तारी के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा-411 भा0द0सं0 की बढ़ोत्तरी कर नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी ।गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-अखिलेश कुमार पुत्र गंगाराम निवासी ग्राम रिठैया थाना सरायइनायत कमिश्नरेट प्रयागराज, उम्र करीब 19 वर्ष ।सम्बन्धित अभियोग का विवरण-मु0अ0सं0-97/24 धारा-379 भा0द0सं0 व बढ़ोत्तरी धारा-411 भा0द0सं0 थाना बहरिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।बरामदगी का विवरण-01 आधार कार्ड ।01 पैन कार्ड ।1240/- रुपये ।01 पर्स ।गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम-1. थानाध्यक्ष रणविजय सिंह, थाना बहरिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।2. उ0नि0 राजेन्द्र प्रसाद यादव, थाना बहरिया कमिश्नरेट प्रयागराज । 3. का0 मन्नू यादव, थाना बहरिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।

थाना थरवई पुलिस टीम द्वारा 01 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयागराज। थाना थरवई पर पंजीकृत मु0अ0सं0-147/2024 धारा-323/504/304 भा0द0सं0 से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त धर्मेन्द्र यादव उर्फ पुच्ची पुत्र स्व0 तुलसीराम यादव निवासी ग्राम पंडिला थाना थरवई कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना थरवई पुलिस टीम द्वारा दिनांक-13.06.2024 को थाना थरवई क्षेत्रान्तर्गत पान की पुलिया के पास से गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त उपरोक्त की निशांदेही पर घटना में प्रयुक्त 01 डण्डा आलाकत्ल बरामद किया गया । उक्त गिरफ्तार/बरामदगी के पश्चात नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी ।गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-धर्मेन्द्र यादव उर्फ पुच्ची पुत्र स्व0 तुलसीराम यादव निवासी ग्राम पंडिला थाना थरवई कमिश्नरेट प्रयागराज, उम्र करीब 42 वर्ष ।सम्बंधित अभियोग का विवरण-मु0अ0सं0-147/2024 धारा -323/504/304 भा0द0सं0 थाना थरवई कमिश्नरेट प्रयागराज ।बरामदगी का विवरण-घटना में प्रयुक्त 01 डण्डा आलाकत्ल ।गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम-1. प्र0नि0 अरविन्द कुमार गौतम, थाना थरवई कमिश्नरेट प्रयागराज 2. अति0 निरीक्षक सतीश कुमार, थाना थरवई कमिश्नरेट प्रयागराज 3. वरि0उ0नि0 रावेन्द्र कुमार, थाना थरवई कमिश्नरेट प्रयागराज 4. का0 हरिओम यादव, थाना थरवई कमिश्नरेट प्रयागराज।

थाना होलागढ़ पुलिस टीम द्वारा 01 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। थाना होलागढ़ पर पंजीकृत मु0अ0सं0-86/24 धारा-457/380 भा0द0सं0 से सम्बन्धित 01 वांछित अभियुक्त सोनू पटेल उर्फ सोने लाल पटेल पुत्र कन्हैया पटेल निवासी सुल्तानपुर जय सिंह थाना होलागढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना होलागढ़ पुलिस टीम द्वारा दिनांक-13.06.2024 को थाना होलागढ़ क्षेत्रान्तर्गत ग्राम नेवादा के पास से मुकदमा उपरोक्त में चोरी के 02 सफेद धातु की पायल, 01 पीली धातु की अंगूठी, 01 पीली धातु का मंगलसूत्र व 02 सफेद धातु की बिछिया को साथ गिरफ्तार किया गया । उक्त गिरफ्तारी/बरामदगी के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा-411 भा0द0सं0 की बढ़ोत्तरी कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी । गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-सोनू पटेल उर्फ सोने लाल पटेल पुत्र कन्हैया पटेल निवासी सुल्तानपुर जय सिंह थाना होलागढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज, उम्र करीब 30 वर्ष । सम्बन्धित अभियोग का विवरण- मु0अ0सं0-86/24 धारा-457/380 व बढ़ोत्तरी धारा-411 भा0द0सं0 थाना होलागढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज ।अभियुक्त सोनू पटेल उर्फ सोने लाल पटेल उपरोक्त का आपराधिक इतिहास- 1. मु0अ0सं0-179/23 धारा-379/411 भा0द0सं0 थाना कुण्डा जनपद प्रतापगढ़ । ।2. मु0अ0सं0-180/23 धारा-379/411 भा0द0सं0 थाना कुण्डा जनपद प्रतापगढ़ ।3. मु0अ0सं0-182/23 धारा-411/413 भा0द0सं0 थाना कुण्डा जनपद प्रतापगढ़ ।4. मु0अ0सं0-94/23 धारा-379/411 भा0द0सं0 थाना हथिगवां जनपद प्रतापगढ़ ।5. मु0अ0सं0-60/17 धारा-60 आबकारी अधिनियम थाना होलागढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज ।6. मु0अ0सं0-08/23 धारा-379/411 भा0द0सं0 थाना होलागढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज ।7. मु0अ0सं0-86/24 धारा-457/380 व बढ़ोत्तरी धारा-411 भा0द0सं0 थाना होलागढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज ।बरामदगी का विवरण-1. 02 सफेद धातु की पायल2. 01 पीली धातु की अंगूठी3. 01 पीली धातु का मंगलसूत्र4. 02 सफेद धातु की बिछिया ।

36 साल तक सुबूत न पेश कर सकी पुलिस, कोर्ट बोली- मुकदमा हो दाखिल दफ्तर

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज।36 साल पहले आयुध अधिनियम के तहत दर्ज मुकदमे के दो मुल्जिम लापता हैं। विवेचना के बाद मामला ट्रायल कोर्ट पहुंच गया, लेकिन 36 साल बाद भी पुलिस अदालत में मुल्जिम पेश कर सकी न गवाह। नतीजा, कोर्ट बोली गिरफ्तारी संभव नहीं, मुकदमा दाखिल दफ्तर (मुकदमा बंद किया जाना) हो।यह आदेश मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट शशि कुमार की अदालत ने दिया है। मामला प्रयागराज जिले के थाना कोतवाली का है। वर्ष 1988 में पुलिस ने राजेश उर्फ अनीश और राजकुमार के खिलाफ अवैध हथियार रखने के आरोप में एफआईआर दर्ज की थी। विवेचना के बाद पुलिस ने मामले को 1988 में ही ट्रायल कोर्ट को सुपुर्द कर दिया। मामले में तारीख दर तारीख लगती रही लेकिन मुल्जिम पेश न हुआ। अदालत ने पहले जमानती और फिर गैर-जमानती वारंट जारी किया। लेकिन न दोनों मुल्जिम खुद पेश हुए न उन्हें पुलिस पेश कर सकी।तीन दशक से इस मुकदमे का बोझ झेल रही अदालत ने जनवरी 2024 में कोतवाली पुलिस से गैर-जमानती वारंट पर

आख्या मांगी। पुलिस ने कोर्ट को बताया कि राजेश 25 साल पहले घर बेच कर कही जा चुका है जबकि राजकुमार नाम का कोई व्यक्ति दिए गए पते पर रहता नहीं। लिहाजा, कोर्ट ने मुल्जिम के गैर मौजूदगी में मुकदमे में गवाही शुरू करने का आदेश दिया और अभियोजन के गवाहों और सुबूतों को तलब किया। मुल्जिमों को पेश करने में विफल रही पुलिस अदालत में अपने गवाह और सुबूत भी न पेश कर सकी।कोर्ट ने अभियोजन साक्ष्य के अवसर समाप्त करते लापता मुल्जिमों के खिलाफ शुरू की गई कार्यवाही को स्थगित कर दिया। गिरफ्तारी की गुंजाइश को खत्म मानते हुए कोर्ट ने मुकदमे की पत्रावली को दाखिल दफ्तर करने का फैसला सुना दिया। हालांकि, कोर्ट ने दोनों मुल्जिमों के खिलाफ स्थायी वारंट जारी कर आदेश की प्रति पुलिस कमिश्नर को भेजी है।

सोनौटी के कछार में दफनाई गईं लाशों का होगा अंतिम संस्कार, नगर निगम की टीम, लिया जायजा

प्रयागराज। गंगापार के वार्ड नंबर नौ सोनौटी के कछार में बुधवार को नगर निगम की टीम पहुंची और हालात का जायजा लिया। नगर निगम की टीम ने कछार में दफराई गई लाशों का अंतिम संस्कार किए जाने का आश्वासन दिया। अमर उजाला में खबर में छपने के बाद नगर निगम के अफसर सक्रिय हुए और मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। सैकड़ों शवों को सोनौटी श्मशान घाट के किनारे रेत में दफन किए जाने से यहां के लोगों की परेशानी भी दिनों-दिन बढती जा रही है। साथ ही वहां पर रेत से खोदकर शवों को नोचने वाले कुत्ते भी लोगों के लिए आदमखोर बने हुए हैं।कोरोना काल के दौरान झूंसी के छतनाग श्मशान घाट के किनारे कई लाशें रेत में दफनाई गई थीं। हो-हल्ला मचा तो सभी को रेत से निकालकर नगर निगम कर्मियों की मौजूदगी में जलाया गया। वैसे ही हालात इन दिनों झूंसी के कछारी वार्ड सोनौटी के श्मशान घाट के किनारे बने हुए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि नई झूंसी में श्मशान घाट के बंद होने से बदरा-सोनौटी के कछार में लाशों के दफनाए जाने का सिलसिला पिछले कई माह से चल रहा है।इस वक्त श्मशान घाट के किनारे सैकड़ों की संख्या में शवों को रेत में दफन किया गया है। सोनौटी के कछार में आसपास के सैकड़ों गांव से लोग लाशें लाकर गाड़ रहे हैं।

लू के प्रकोप से बचाव हेतु संबंधित विभागों को जिलाधिकारी द्वारा निर्देश

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज।वर्तमान समय मे पारा 46 डिग्री सेल्यिस से अधिक होने के कारण भीषण गर्मी, गर्म हवा व लू के प्रकोप से बचाव हेतु संबंधित विभागों को जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्देश दिये गये है कि इस भीषण गर्मी, गर्म हवा व लू से अपना बचाव कैसे करें तथा सुरक्षित कैसे रहें।

गर्म हवाओं से बचने के लिए खिड़की को रिफ्लेक्टर जैसे एलुमिनियम पन्नी, गत्ते इत्यादि से ढककर रखें, ताकि बाहर की गर्मी को अन्दर आने से रोका जा सके। उन खिड़कियों व दरवाजों पर जिनसे दोपहर के समय गर्म हवाएं आतीं हैं, काले परदे लगाकर रखना चाहिए। स्थानीय मौसम के पूर्वानुमान को सुनें और आगामी तापमान में होने वाले परिवर्तन के प्रति सजग रहें। आपात स्थिति से निपटने के लिए प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण ले।

बच्चों तथा पालतू जानवरों को कभी भी बन्द वाहन में अकेला न छोड़ें। जहां तक सम्भव हो घर में ही रहें तथा सूर्य के ताप से बचें। सूर्य के ताप से बचने के लिए जहां तक संभव हो घर की निचली मंजिल पर रहें। संतुलित, हल्का व नियमित भोजन करें और बासी खाने का प्रयोग कदापि न करे और मादक पेय पदार्थों का सेवन न करें। घर से बाहर अपने शरीर व सिर को कपड़े या टोपी से ढककर रखें। घर में पेय पदार्थ जैसे लस्सी, छांछ, मट्ठा, बेल का शर्बत, नमक चीनी का घोल, नीबू पानी या आम का पना इत्यादि का प्रयोग करें।मौसम विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार मार्च से जून के मध्य/अधिक तापमान रहने की संभावना है। ऐसे में लोगों को हीटवेब से बचाव के लिए आवश्यक तैयारियां कर लेनी चाहिए। हीटवेब से बचाव को लेकर जनसामान्य के बीच जागरूता अभियान स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाया जा रहा है। जब वातावरण का तापमाप 37 डिग्री सेल्सियस से 3-4 डिग्री अधिक पहुंच जाता है तो उसे हीटवेब या लू कहते हैं।

अभी आगे गर्मी का प्रकोप और बढ़ेगा इसलिए गर्मी से बचाव के लिए विभिन्न उपायों को अपनाना चाहिए।गर्मी में शरीर के द्रव्य बॉडी फ्ल्यूड सूखने लगते हैं।

शरीर में पानी, नमक की कमी होने पर लू लगने का खतरा ज्यादा रहता है। शराब की लत, हृदय रोग, पुरानी बीमारी, मोटापा, पार्किंसस रोग, अधिक उम्र, अनियंत्रित मधुमेह वाले व्यक्तियों को लू से विशेष बचाव करने की जरूरत है। इसके अलावा डॉययूरेटिक, एंटीस्टिमिनक, मानसिक रोग की औषधि का उपयोग करने वाले व्यक्ति भी लू से सवाधान रहें।

लू के लक्षण

गर्म, लाल, शुष्क त्वचा का होना, पसीना न आना, तेज पल्स होना, उल्टे श्वास गति में तेजी,व्यवहार में परिवर्तन, भ्रम की स्थिति, सिरदर्द, मिचली, थकान और कमजोरी का होना या चक्कर आना, मूत्र न होना अथवा इसमें कमी आदि मुख्य लक्षण हैं। इन लक्षणों के चलते मनुष्यों के शरीर के उच्च तापमान से आंतरिक अंगों, विशेष रूप से मस्तिष्क को नुकसान पहुंचता है। इससे शरीर में उच्च रक्तचाप उत्पन्न हो जाता है।

जनपद में हीटवेव (लू) के प्रति जोखिम (कमजोर वर्ग एवं क्षेत्र की पहचान)

1 05 वर्ष से कम आयु के बच्चे व 65 वर्ष से ज्यादा के व्यक्ति।

2 गर्भवती महिलायें।

3 ऐसे व्यक्ति जोकी सैन्य, कृषि, निर्माण और औद्योगिक व्यवसाय में श्रमिक, मजदूर, खिलाड़ी आदि हों।

4 शारीरिक तौर पर कमजोर व्यक्ति एवं मोटापे से ग्रस्त व्यक्ति।

5 त्वचा संबन्धित रोग जैसे:-सोरायसिस, पायोडर्मा आदि से प्रभावित व्यक्ति।

6 पर्यावरण बदलने के कारण गर्मी के अनुकूलनता का आभाव।

7 सोने का आभाव।

थाना हण्डिया पुलिस टीम द्वारा 02 वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयागराज। थाना हण्डिया पुलिस टीम द्वारा दिनांक-13.06.2024 को मा0 न्यायालय ए0सी0जे0एम0 कक्ष संख्या-08 इलाहाबाद द्वारा निर्गत गिरफ्तारी अधिपत्र सम्बंधित केस नं0-2376/05 धारा-324/325/504 भा0द0सं0 से सम्बंधित 02 वारण्टी अभियुक्त 1. उमेश कुमार जायसवाल पुत्र जगाली जायसवाल 2. राकेश कुमार जायसवाल पुत्र जगाली जायसवाल निवासीगण कस्बा बरौत थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना हण्डिया क्षेत्रान्तर्गत उनके निवास कस्बा बरौत से गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी ।

गिरफ्तार वारण्टी अभियुक्तों का विवरण-1. उमेश कुमार जायसवाल पुत्र जगाली जायसवाल निवासी कस्बा बरौत थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज, उम्र करीब 48 वर्ष । 2. राकेश कुमार जायसवाल पुत्र जगाली जायसवाल निवासी कस्बा बरौत थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज, उम्र करीब 49 वर्ष । सम्बंधित वारण्ट का विवरण-केस नं0-2376/05 धारा-324/325/504 भा0द0सं0 मा0 न्यायालय ए0सी0जे0एम0 कक्ष सं0-08 इलाहाबाद ।

थाना घूरपुर पुलिस द्वारा 04 अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। थाना घूरपुर पुलिस द्वारा अभियुक्त 1.विनोद मोंगिया पुत्र स्व0 रमेश मोंगिया निवासी ज्ञानपुरा गुलगाँव थाना सांची जिला रायसेन मध्य प्रदेश 2.रूप सिंह पुत्र स्व0 जग्गू निवासी मकान नं 786 सेक्टर 2 न्यू बस्ती गोंदर मऊ थाना गान्धीनगर भोपाल मध्यप्रदेश 3.सन्तोष मोंगिया पुत्र स्व0 गौतम मोंगिया निवासी गुलगाँव थाना सांची जिला रायसेन मध्य प्रदेश 4.कोहिनूर पुत्र सतीश धनगर निवासी 296 सेक्टर 3 न्यू बस्ती थाना गान्धीनगर जनपद भोपाल मध्य प्रदेश को दिनांक 13.06.2024 को पुरानी हवाईपट्टी परेड ग्राउण्ड के पास बहद् ग्राम चौकठा थाना क्षेत्र घूरपुर से गिरफ्तार किया गया । अभियुक्तों उपरोक्त के कब्जे से चोरी की 01 मोटरसाईकिल यामाहा RX 100 चेसिस नं0 ।LI027244 व चोरी करने में प्रयुक्त उपकरण (प्लास, पेचकस, कटर, गुलेल) बरामद किया गया । उक्त गिरफ्तारी/बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 203/2024 धारा 401/411 भा0द0वि0 पंजीकृत किया गया । नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी । गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण- 1.विनोद मोंगिया पुत्र स्व0 रमेश मोंगिया निवासी ज्ञानपुरा गुलगाँव थाना सांची जिला रायसेन मध्य प्रदेश, उम्र करीब 52 वर्ष ।2.रूप सिंह पुत्र स्व0 जग्गू निवासी मकान नं 786 सेक्टर 2 न्यू बस्ती गोंदर मऊ थाना गान्धीनगर भोपाल मध्यप्रदेश, उम्र करीब 37 वर्ष ।3.सन्तोष मोंगिया पुत्र स्व0 गौतम मोंगिया निवासी गुलगाँव थाना सांची जिला रायसेन मध्य प्रदेश, उम्र करीब 50 वर्ष ।4.कोहिनूर पुत्र सतीश धनगर निवासी 296 सेक्टर 3 न्यू बस्ती थाना गान्धीनगर जनपद भोपाल मध्य प्रदेश, उम्र करीब 19 वर्ष ।पंजीकृत अभियोग का विवरण- मु0अ0सं0 203/2024 धारा 401/411 भा0द0वि0 थाना घूरपुर कमिश्नरेट प्रयागराज । बरामदगी का विवरण-चोरी की 01 मोटरसाईकिल यामाहा RX 100 चेसिस नं0 ।LI027244 व चोरी करने में प्रयुक्त उपकरण (प्लास, पेचकस, कटर, गुलेल)पुलिस टीम का विवरण-1.प्र0 नि0 केशव वर्मा थाना घूरपुर कमिश्नरेट प्रयागराज ।2.उ0नि0 मनोज कुमार यादव थाना घूरपुर कमिश्नरेट प्रयागराज ।3.का0 सागर सिंह परमार थाना घूरपुर कमिश्नरेट प्रयागराज ।4.का0 जयदीप परासर थाना घूरपुर कमिश्नरेट प्रयागराज ।

अनुकंपा नियुक्ति में शारीरिक परीक्षा में एक बार फेल होने पर दूसरा मौका नहीं दिया जा सकता

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि अनुकंपा नियुक्ति चाहने वाले व्यक्ति को शारीरिक दक्षता परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए पहली बार में असफल होने पर दूसरा मौका नहीं दिया जा सकता। सरकारी कर्मचारी के अचानक निधन के बाद शोक संतप्त परिवार की आर्थिक मदद के लिए अनुकंपा नियुक्ति दी जाती है। इसका उद्देश्य किसी भी तरह का दर्जा प्रदान करना या भर्ती का वैकल्पिक तरीका नहीं है। न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी और न्यायमूर्ति अनीश कुमार गुप्ता की पीठ ने राज्य सरकार की विशेष अपील पर यह आदेश दिया।मुजफ्फरनगर की गीता रानी के पति मान सिंह सिविल पुलिस में हेड कांस्टेबल थे। इस दौरान अचानक उनकी मौत हो गई। गीता ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन किया था। इस दौरान शारीरिक दक्षता परीक्षण पूरा नहीं कर सकी, इसलिए उसका दावा खारिज कर दिया गया। इस पर गीता ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया।एकल न्यायाधीश ने याचिकाकर्ता को शारीरिक दक्षता परीक्षा में शामिल होने का एक अंतिम अवसर प्रदान किया तथा निर्देश दिया कि यदि वह परीक्षा में असफल हो जाती है तो उसे उसकी योग्यता के अनुसार पद प्रदान किया जाना चाहिए। इस आदेश को राज्य

सरकार ने चुनौती दी। कहा कि याचिकाकर्ता आश्रितों की भर्ती नियम, 1974 के नियमों के तहत शारीरिक दक्षता परीक्षण में फेल हो चुकी हैं। नियमों के तहत कोई दूसरा अवसर प्रदान नहीं किया जाता है। यह भी दलील दी कि याचिकाकर्ता का पति हेड कांस्टेबल के पद पर था।

वहीं, सब-इंस्पेक्टर का पद हेड कांस्टेबल से ऊंचा है। ऐसे में पति के पद से ऊंचे पद पर अनुकंपा नियुक्ति नहीं दी जा सकती। अन्य कई तर्क भी दिए। हाईकोर्ट ने कहा कि याची ने पुलिस बल में अनुकंपा नियुक्ति की मांग की थी, इसलिए शारीरिक परीक्षा में कोई छूट नहीं दी जा सकती। याचिकाकर्ता ने अपनी इच्छा से शारीरिक दक्षता परीक्षण में भाग लेने का निर्णय लिया था और वह इसमें असफल रही, इसलिए दूसरा अवसर नहीं दिया जा सकता। न्यायालय ने राज्य की विशेष अपील को स्वीकार करते हुए कहा कि प्रतिवादी-याचिकाकर्ता किसी भी उपयुक्त पद पर अनुकंपा नियुक्ति के लिए नए सिरे से आवेदन करने के लिए स्वतंत्र है।

तीन करोड़ रुपये गबन के मामले में तत्कालीन जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी को अग्रिम जमानत

प्रयागराज। वर्ष 2010-11 में मेरठ स्थित मदरसों में छात्रवृति के तीन करोड़ रुपये गबन के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आरोपी तत्कालीन जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी की अग्रिम जमानत अर्जी मंजूर कर ली है। सरकार ने याची तत्कालीन जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी के खाते में तीन करोड़ रुपये भेजे थे, जिसे मदरसा प्रबंधकों के खाते में ट्रांसफर किया जाना था। उक्त मामले में पाई गई अनियमितताओं पर तत्कालीन जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुमन गौतम और कार्यालय लिपिक संजय त्यागी समेत कई मदरसा संचालकों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम सहित अन्य धाराओं में 98 मुकदमे मेरठ जिले में दर्ज किए गए थे ।याची के ऊपर आरोप है कि न्यू एचएम जूनियर हाईस्कूल रशीद नगर मेरठ में बच्चों को नगद छात्रवृति का वितरण कर नियमावली का उल्लंघन किया गया है। मामले की जांच आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) मेरठ को सौंपी गई।याची अधिवक्ता सुनील चौधरी ने न्यायालय को बताया विभागीय जांच में ईओडब्ल्यू ने स्वयं माना है कि शासकीय धन के गबन का आरोप प्रमाणित नहीं पाया गया। याची ने शासनादेश के अनुरूप मदरसा संचालकों के खाते में छात्रवृत्ति ट्रांसफर की है। वर्तमान में याची बागपत जिले की अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी के पद पर कार्यरत है ।प्रकरण में अपर शासकीय अधिवक्ता ने जवाब दाखिल किया है। कोर्ट ने याची को प्रति उत्तर दाखिल करने के लिए 4 सप्ताह का समय देते हुए 50 हजार रुपये के निजी मुचलके व 2 प्रतिभूति दिए जाने की शर्तो के साथ अंतरिम अग्रिम जमानत दे दी।कोर्ट ने विवेचना अधिकारी को जल्द जांच पूरी करने का निर्देश दिया और याची को निर्देश दिया कि इस आदेश की प्रति पुलिस अधीक्षक, संबंधित को उपलब्ध कराए। संबंधितअधिकारी इस आदेश का अनुपालन कराएंगे। अगली सुनवाई की तारीख 5 अगस्त नियत की है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित। संस्थापक :-स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा ।संपादकः-स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)। मोबाइल नंबर 9450475366 Email :- prayagdarpan@gmail.com, R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804 इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।